तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर,शुक्रवार, 15 नवंबर 2024 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-14 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-225 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 16 नवंबर 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

पीएम ने आदिवासियों को दी बड़ी सौगात

नई दिल्ली,15 नवंबर। तीन दिनों में दूसरी बार बिहार पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमुई के खैरा प्रखंड के बल्लोलपुर गांव से देश भर केआदिवासी भाई बहनों को 6640 करोड़ के परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान की हजारों योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने जमुई में बिरसा भगवान की 150वीं जन्म जयंती के अवसर आयोजित 'जनताजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर आयोजित समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिन्हें आज तक किसी ने नहीं पूछा, मोदी उन्हें पूजता है। पीएम मोदी ने नाम लिए बगैर कांग्रेस पार्टी और उसकी पूर्ववर्ती सरकारों पर आदिवासी समाज की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

रायपुर,15 नवंबर। राजधानी रायपुर के रिंग रोड 1 पर कुशालपुर चौक के पास एक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। तेज रफ्तार वाहन ने राह चलते युवक को कुचला, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र के तहत हुआ है। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक की तलाश जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पेड़ से टकराई कार, 4 घायल

रायपुर,15 नवंबर। राजधानी रायपुर में आज सुबह तेज रफ्तार के कारण एक भीषण सड़क हादसा हो गया. यह हादसा सरस्वती थाना क्षेत्र के नालंदा परिसर के पास हुआ, जहां एक आई-20 कार ने तेज रफ्तार में फुटपाथ पर चढ़ते हुए सड़क किनारे लगे ठेले को टक्कर मार दी और सीधे एक पेड़ में जा धसीं. इस हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल भेजने की व्यवस्था की. सभी घायलों का उपचार जारी है. वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क हादसे में हुए नुकसान का जायजा लिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है. जांच के बाद इस मामले और भी जानकारी सामने आ सकेगी.

एक साथ मिले तीन मानव कंकाल

सरगुजा,15 नवंबर। बलरामपुर के नजदीक ग्राम दहेजवार में बंद पड़े फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट से लगे खेत में तीन मानव कंकाल मिला है। इस बात की जानकारी होते हुए आसपास के गांव में सनसनी फैल गई है। बहरहाल तीनों मानव कंकाल को निकालकर पुलिस ने सुरक्षित रख लिया है। फोरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। जांच पड़ताल के बाद ही खुलासा होगा कि आखिर महिला का है या फिर पुरुष का। बलरामपुर से लगे ग्राम दहेजवार के बंद पड़े फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट से लगे खेत मे तीन मानव कंकाल मिला हैं। आसपास के 20 से 30 मीटर के दायरे में हड्डियां बिखरी पड़ी हुई थी। बलरामपुर पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को सील कर दिया है। अंबिकापुर से फारेंसिक टीम जांच के लिए मौके पर पहुंच गई है। मानव खोपड़ी और हड्डियां काफी पुरानी है। ग्राम दहेजवार में शुक्रवार सुबह ग्रामीण खेत में धान की फसल की कटाई के लिए जा रहे थे। बंद पड़े फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट परिसर से गुजरने के दौरान ग्रामीणों को पास के खेत मे हड्डियां और खोपड़ी नजर आई। इस बात की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आसपास के क्षेत्र को सीलबंद कर दिया है। फोरेंसिक जांच के लिए अंबिकापुर से टीम बुलाई गई है। आसपास के इलाके से बहरहाल आवागमन को भी पुलिस ने रोक दिया है।

झीरम घाटी हत्याकांड में शामिल महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण, 20 लाख रुपए का था इनाम

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,15 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी हत्याकांड में शामिल 20 लाख की इनामी नक्सली मंजुला उर्फ निर्मला ने आज तेलंगाना के वारंगल में पुलिस के पास आत्म समर्पण कर दिया है. मंजुला ने वारंगल में पुलिस कमिश्नर के पास जाकर सरेंडर कर दिया है. मंजुला कुख्यात नक्सली लीडर कोडी कुमार स्वामी उर्फ आनंद एवं कोडी वेंकन्ना उर्फ गोपन्ना की बहन है और साथ ही दंडकरण स्पेशल जोनल कमिटी, साउथ सब डिविजन ब्यूरो की मेंबर है. वह 1994 में माओवादी संगठन में शामिल हुई थी और आज 15 नवंबर 2024 को उसने पुलिस के सामने आत्म समर्पण कर दिया है. बता दें, यह घटना 25 मई 2013 की है, जब छत्तीसगढ़ में एक खौफनाक और भयावह हत्याकांड हुआ था, जिसे राज्य का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड माना जाता है. इस हमले में दिग्गज कांग्रेस नेता नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार सहित 30 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की निर्मम तरीके

से हत्या कर दी गई थी. इस हमले के बाद, भाजपा और कांग्रेस दोनों सरकारों के कार्यकाल में जांच का सिलसिला चलता रहा, लेकिन इस हत्याकांड के अपराधियों का पर्दाफाश और इसके पीछे के रहस्यों को अब तक नहीं सुलझाया जा सका है. इस जघन्य हत्याकांड की जांच के लिए अलग-अलग विभागों ने अपनी-अपनी जांच की, जिसमें सुरक्षा में चूक और आपराधिक कृत्य की जांच शामिल थी. हालांकि, इन सब के बावजूद, झीरम घाटी में हुई इस दर्दनाक घटना के बारे में अब तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ सकी है.

दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम अब बिरसा मुंडा चौक

नई दिल्ली,15 नवंबर। पूरे भारत में शुक्रवार को आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के मुताबिक अब दिल्ली के सराय काले खां चौक का नाम बदलकर आदिवासी नेता बिरसा मुंडा के नाम पर रखा गया है। मनोहर लाल खट्टर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में कहा, ÷मैं आज घोषणा कर रहा हूं कि यहां आईएसबीटी बस स्टैंड के बाहर स्थित बड़े चौक का नाम भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर रखा जाएगा।÷ उन्होंने कहा, ÷इस प्रतिमा और उस चौक का नाम देखकर न केवल दिल्ली के नागरिक बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बस अड्डे पर आने वाले लोग भी निश्चित रूप से उनके जीवन से प्रेरित होंगे। विभिन्न राजनीतिक नेताओं ने आदिवासी कार्यकर्ता को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने मुंडा की जिस प्रतिमा का अनावरण किया उसका वजन लगभग 3,000 किलोग्राम है। आज के दिन को 'जनजातीय गौरव दिन' के रूप में भी मनाया जाता है। इस प्रतिमा को पश्चिम बंगाल के दो अनुभवी शिल्पकारों ने तैयार किया है, जिन्होंने सुनिश्चित किया है कि इसके स्वरूप में जीवंतता का भाव समाहित हो। इस बीच, केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सराय काले खां चौराहे का नाम बदलकर ''भगवान बिरसा मुंडा चौक'' कर दिया। अमित शाह ने शुक्रवार को यहां रिंग रोड स्थित बांसेरा पार्क के प्रवेश द्वार पर महान आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया और कहा कि 15 नवंबर 2025 तक पूरा वर्ष ''आदिवासी गौरव दिन'' के रूप में मनाया जाएगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि भारत हमेशा इस दिन को ''आदिवासी गौरव दिन'' के रूप में मनाएगा क्योंकि भगवान बिरसा मुंडा का जन्म इसी दिन झारखंड में हुआ था।

धूल के कारण बाइक सवार युवकों को नजर नहीं आया ट्रेलर, पहियों में फंसकर दो की मौत

बिलासपुर,15नवंबर। रायपुर-बिलासपुर रोड पर सरगांव क्षेत्र के ग्राम किरना के पहले बुखारी पेट्रोल पंप के पास सड़क पर उड़ रहे डस्ट (धूल) के कारण बाइक पर सवार युवकों को ट्रेलर दिखाई नहीं दिया। इससे बाइक पर सवार युवक तेज रफ्तार ट्रेलर के पहियों के बीच आ गए। दो पहियों के बीच फंसे युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर चीरघर भेज दिया है। पुलिस युवकों की पहचान कर ली है और स्वजन को भी सूचना दे दी है। हिर्री क्षेत्र के ग्राम मोहदा निवासी दिलहरण पटेल अपने मित्र पन्नू पटेल (34) के साथ गुरुवार 14 नवंबर की रात रिश्तेदार की सगाई में शामिल होने भाटापारा गए थे। सगाई में शामिल होने के बाद वे गांव लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे सरगांव क्षेत्र के ग्राम किरना स्थित बुखारी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे थे। मौके पर सड़क पर डस्ट बिखरा हुआ था। वाहनों के चलने पर वहां पर डस्ट उड़ रहा था। डस्ट के कारण बाइक पर सवार दिलहरण पटेल (22) और पन्नू को सड़क पर चल रहा तेज रफ्तार ट्रेलर नहीं दिख पाया। उनकी बाइक ट्रेलर के दो पहियों के बीच घुस गया। दोनों पहियों के बीच फंस गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हाईवे पर जगह डस्ट बिछा हुआ है। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। डस्ट के कारण बड़े हादसे भी हुए हैं। इधर जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि गुरुवार की रात डस्ट के कारण ही बड़ा हादसा हो गया। इसमें दो युवकों की जान चली गई। आसपास के लोगों ने बताया कि डस्ट के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। गुरुवार की सुबह रामा वैली निवासी प्रियांशु सिंह रायपुर से थार कार पर सवार होकर बिलासपुर लौट रहे थे। ग्राम किरना के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई। हादसे में प्रियांशु सिंह की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर सरगांव पुलिस ने युवक का पीएम कराया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। सरगांव थाना क्षेत्र के किरना गांव से गुजरी नेशनल हाइवे पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। एक जगह गड्ढे के साथ ही सरिया भी बाहर निकल आया है। चार नवंबर को रायपुर से बिलासपुर की ओर रही एक तेज रफ्तार बोलेरो का टायर इसी गड्ढे में जा समाया। सरिया के संपर्क में आते ही टायर फट गया और देखते ही देखते वाहन पलट गया। इसमें कुल 7 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, वहीं चार घायल हो गए थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने खारुन में किया स्नान

हमारी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराएं जीवन में उल्लास भी भरती हैं: मुख्यमंत्री

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,15 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर राजधानी रायपुर के पवित्र खारून नदी के तट महादेव घाट पहुंचकर श्री हाटकेश्वर महादेव और मां काली के दर्शन किए। उन्होंने श्री हाटकेश्वर महादेव और मां काली की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने पवित्र महादेव घाट में कार्तिक स्नान के लिए जुटे श्रद्धालुओं का अभिवादन कर सभी को कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव और विधायक श्री मोतीलाल साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महादेव घाट में आयोजित होने वाला पुन्नी मेला बहुत लोकप्रिय है। दूर-दूर से लोग इसमें बड़ी श्रद्धा के साथ हिस्सा लेने आते हैं। श्री साय ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक परंपराएं न केवल हमारी आस्था को मजबूत करती हैं अपितु हमारे जीवन में उल्लास भी भरती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रीरामलला दर्शन

योजना के माध्यम से हमने प्रदेशवासियों को अपने आराध्य भगवान श्री राम के दर्शन के लिए अयोध्या भेजने की निःशुल्क की व्यवस्था की है। श्री साय ने मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के शीघ्र शुरू किए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि इससे 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिक तीर्थ यात्रा पर जा सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज से हमने प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों से धान खरीदी की शुरूआत कर दी है। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर देश भर से आए जनजाति कलाकारों ने राजधानी में मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति दी। उन्होंने आज नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 लागू होने की जानकारी भी लोगों के साथ साझा की।

देवेंद्र यादव के खिलाफ 450 पन्नों की चार्ज शीट पेश

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक देवेंद्र यादव और ओम प्रकाश बंजारे के खिलाफ पुलिस ने 450 पन्नों का चार्ज शीट पेश किया। यादव की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में 13 नवंबर को सुनवाई होने वाली थी। वहीं अब सुनवाई की तारीख 20 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। हिंसा मामले में देवेन्द्र यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिलेगी या नहीं इस पर संशय की स्थिति बनी है। दरअसल बिलासपुर हाईकोर्ट में विधायक देवेन्द्र यादव की जमानत याचिका पर 13 नवंबर को सुनवाई होनी थी। जिस पर देवेंद्र यादव को वहां से भी राहत नहीं मिल रही है। वहीं अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख 20 नवंबर तक बढ़ा दी गई

गरियाबंद में फिर नजर आया तेंदुआ

गरियाबंद,15 नवंबर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में एक बार फिर तेंदुआ नजर आया है, जिससे क्षेत्र के लोग दहशत में हैं. तेंदुआ प्रमुख रूप से पैरी कॉलोनी, जेल वार्ड, जिला अस्पताल, पानी टंकी और आसपास के मोहल्लों में देखा गया है. पिछले कुछ दिनों से यह तेंदुआ लगातार गरियाबंद के कुत्तों का शिकार कर रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है. विशेष जानकारी के अनुसार, तेंदुआ महाविद्यालय और खेल मैदान के पास स्थित टिकरे पर भी देखा गया है. इस घटनाक्रम के बाद, लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं और पालतू जानवरों को बाहर भेजने से भी बच रहे हैं. स्थानीय लोग वन विभाग से तेंदुए को जल्द सुरक्षित स्थान पर भेजने की अपील कर रहे हैं, ताकि इलाके में शांति बहाल हो सके. वन विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए अपनी सतर्कता बढ़ा दी है. विभाग ने कर्मचारियों की ड्यूटी बढ़ाई है और मुनादी कर क्षेत्रवासियों को तेंदुआ के बारे में सचेत किया जा रहा है. वन विभाग का अनुमान है कि तेंदुआ गर्भवती हो सकती है और प्रसव के बाद वह इस क्षेत्र से बाहर निकल जाएगी.

मुर्मू और मोदी ने गुरुनानक जयंती की दी बधाई

नई दिल्ली,1 देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को गुरु नानक जयंती पर बधाई दी है। हर साल कार्तिक पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनायी जाती है। इसको गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस बार गुरु नानक देव की 555वीं जयंती मनाई जा रही है। तमाम बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से देशवासियों को गुरु नानक जयंती की शुभकामनाएं दी। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'एक्स' पर लिखा, ÷गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर, मैं देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों, विशेष रूप से सिख समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई देती हूं। गुरु नानक देव जी ने हमें परिश्रम पर आधारित अध्यात्म का मार्ग दिखाया है। उन्होंने सत, संतोष, दया, निमरता और प्यार पर आधारित समाज बनाने की सीख दी है। उन्होंने आगे लिखा, गुरु नानक देव जी ने सामाजिक जीवन में सांझी-वालता पर जोर दिया है जो कि सामाजिक समरसता का मार्ग है। गुरु नानक जी हमारे लिए प्रकाश स्तंभ हैं। यह हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम उनके आदर्शों को अपनाकर, सौहार्दपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण करें।

मुख्यमंत्री की पहल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए केंद्र ने मंजूर किए 230 करोड़

रायपुर,15 नवंबर। मुख्यमंत्री की पहल पर केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 230 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत स्वीकृत इस राशि से सभी नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अधोसंरचना और तकनीकी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा। इससे राज्य में अपशिष्ट प्रबंधन और ज्यादा पुख्ता तथा टिकाऊ होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के इस सहयोग के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस राशि से शहरों में स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों को नया आयाम मिलेगा। यह राज्य के प्रत्येक नगरीय निकाय को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वीकृत इस राशि से प्रदेश के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अपशिष्ट प्रबंधन के इन्फ्रॉस्ट्रक्चर को बेहतर और स्थाई बनाया जाएगा। इससे राज्य में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक तकनीकी, भौतिक और मानव संसाधन जुटाए जाएंगे, जिससे न केवल स्वच्छता की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों को भी बेहतर पर्यावरणीय सुविधाएं मिलेंगी। उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने विगत दिनों अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों के लिए राशि मंजूर करने का आग्रह किया था। उन्होंने राज्य के शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को और अधिक सुगम तथा प्रभावी बनाने केंद्र सरकार से सहयोग का अनुरोध किया था। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन विभाग के प्रस्तावों के आधार पर केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए छत्तीसगढ़ के लिए 230 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में सहायता मिलेगी।

बाबा रामदेव ने बताया पतंजलि का असली मालिक कौन

हरिद्वार,15 नवंबर। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा है पतंजलि के स्वामित्व को लेकर बड़ी बात कही है। बाबा रामदेव ने साफ किया है कि लाखों करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक ना तो वह हैं और ना ही आचार्य बालकृष्ण। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में साइकलिंग करते हुए बाबा रामदेव ने कंपनी के मालिकाना हक को लेकर पूरी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि यह पूरा साम्राज्य देश की जनता का है और वही इसकी लाभार्थी है। उन्होंने यह भी कहा कि पंतजलि की संपत्ति पर कुछ लोगों की बुरी नजरें हैं। उन्होंने स्वदेशी कंपनी की यात्रा और इसके साम्राज्य को लेकर भी विस्तार से बात की। रामदेव ने कहा कि पतंजलि का लाखों करोड़ का यह जो पूरा साम्राज्य है, लोगों की बुरी नजर है कि ये इतना बड़ा अनुष्ठान कैसे खड़ो हो गया और इसका मालिक कौन है। निरामयम, योग ग्राम, पतंजलि योगपीठ, पतंजलि गुरुकुलम, पतंजलि वेलनेस, विश्वद्यालय तक हमारे सैकड़ों सेवा के संस्थान हैं। इन कार्यों के साथ साथ बहुत दूर तक हम इस अभियान को लेकर ले गए। आज हालात यह है कि पूरे देश में 100 से बड़ी संस्थाएं हमने खड़ी कर दी। हमने योग को बहुत ऊंचाई प्रदान की है। इसका कुल मूल्यांकन है तो कैपिटल मार्केट एक लाख करोड़ से ज्यादा कर रहे हैं।

गठबंधन झारखंड के लोगों की संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध,: राहुल गांधी

नयी दिल्ली,15 नवंबर। झारखंड राज्य की स्थापना 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर हुई थी। यह दिन आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती का दिन है। बिरसा मुंडा एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता कार्यकर्ता और लोक नायक थे जो मुंडा जनजाति से थे। उन्होंने 19वीं शताब्दी के अंत में ब्रिटिश राज के दौरान बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में उठे आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। विद्रोह मुख्य रूप से खूंटी, तमार, सरवाड़ा और बंदगांव के मुंडा बेल्ट में केंद्रित था। अब खास दिन पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुक्रवार को बधाई देते हुए कहा कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। राहुल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' भरपूर प्राकृतिक, सांस्कृतिक और खनिज संपदा से युक्त झारखंड के स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।'' उन्होंने कहा, ''झारखंड वासियों की

सभ्यता और अधिकारों की रक्षा के लिए 'इंडिया' सदैव संकल्पित है।'' गांधी ने साथ ही लिखा, ''आदिवासी महानायक, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। आदिवासी अस्मिता के लिए उनका संघर्ष और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए उनका बलिदान हमें सदा प्रेरित करता रहेगा।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी झारखंड के लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल भविष्य की कामना की। खरगे ने आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को भी उनकी जयंती पर याद किया। खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''जल-जगंल-जमीन एवं आदिवासी सभ्यता व संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध 'उलगुलान' करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी, धरती आबा, भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। वे करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्रोत हैं एवं रहेंगे।'' उन्होंने कहा, ''प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण झारखंड राज्य के सभी बहन-भाइयों को झारखंड स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई। आने वाला कल आप सभी के लिए सुखद, समृद्ध एवं खुशहाल बने, हमारी यही कामना है।'' झारखंड राज्य आधिकारिक तौर पर 2000 में मुंडा की जयंती पर अस्तित्व में आया। गांधी और खरगे ने लोगों को गुरु नानक जयंती की भी शुभकामनाएं दीं। हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। इसे प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष गुरु नानक देव जी की 555वीं जयंती मनायी जा रही है।

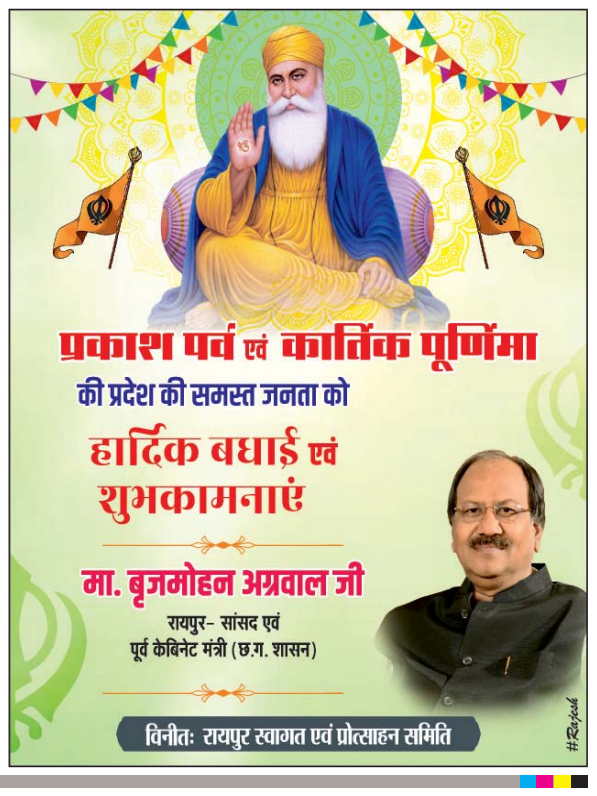

एक नजर

पंच कैलाशी लड़ेंगे जिला पंचायत चुनाव,गांवों में चल रही चर्चा

कवर्धा 15 नवंबर। पंच कैलाशी राजेश शुक्ला के जिला पंचायत चुनाव में उतरेंगे जिसकी चर्चा गांवों में शुरू हो गई है । होटलों में चाय पीते पीते , पान दुकानों में पान खाते खाते राजैतिक चर्चा करते हुए लोग , कार्यकर्ता देखे जा रहे है । कांग्रेस में पैंतीस साल से ज्यादा हो हो विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए खासकर निष्ठावान कार्यकर्ता की श्रेणी में राजेश शुक्ला के नाम की चर्चा होती है । धार्मिक कार्यों में हमेशा आगे रहते है जिस कारण तारीफ भी राजेश शुक्ला की जनमानस में होती है ।

कोयला चोरी के मामले में ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार

भिलाई 15 नवंबर। एसीसी जामुल में कोयला परिवहन कर चोरी मामले में एक ट्रांसपोर्टर को जामुल ने गिरफ्तार कर चालान पेश किया है आरोप है कि इसने कोयले की हेराफेरी और छेड़छाड़ से जुड़ी धोखाधड़ी की जिससे एसीसी लिमिटेड को आपूर्ति की गुणवत्ता पर असर पड़ा जब एसीसी लिमिटेड ने नियमित क्वालिटी चेक के दौरान वर्धमान ट्रांसपोर्ट द्वारा लाए गए कोयले में गड़बड़ी पाई गई। तीन ट्रकों में आवश्यक मानक से काफी कम कैलोरी मान वाला कोयला पाया गया गड़बड़ी का संदेह होने पर, कंपनी ने मामले की सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद धारा 154 सीआरपीसी के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई जामुल में आईपीसी की धारा 407 और 511 का हवाला देते हुए मामला दर्ज किया गया है जिसमें आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी करने के प्रयास शामिल हैं आगे की जांच से पता चला कि वर्धमान ट्रांसपोर्ट के ड्राइवर और मालिक कथित तौर पर कोयले की चोरी और कोयले की गुणवत्ता को कम करने के लिए नकली मिश्रण के गोरख धंधे में शामिल थे।

गांजा तस्कर को भेजा गया जेल

भिलाई 15 नवंबर। रूआबांधा के आदतन गांजा तस्कर नंदू कन्नौजिया को पुलिस ने छह महीने के लिए जेल भेजा है संभागायुक्त के न्यायालय में पुलिस ने उसके खिलाफ प्रतिवेदन पेश किया था जिस पर सुनवाई करते हुए नंदू कन्नौजिया संभागायुक्त ने उसे छह महीने के लिए जेल में निरुद्ध करने का आदेश दिया। जिसके बाद भिलाई नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा है भिलाई नगर टीआई प्रशांत मिश्रा ने बताया कि यादव चौक रूआबांधा निवासी नंदू कन्नौजिया (54 साल) वर्ष 2016 से गांजा तस्करी के अपराध में लिप्त है। अब तक उसे चार बार गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। वो खुद तो गांजा का कारोबार करता ही था साथ ही अपने एजेंटों और बिचौलियों के माध्यम से भी गांजा बिकवाता था उसके आदत में कोई सुधार न आने पर पिट एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रतिवेदन पेश किया था।

घर से लाखों के जेवर की चोरी

भिलाई 15 नवंबर। स्वास्तिक स्मार्ट सिटी परसदा कुम्हारी निवासी संदीप कुमार मेहरा के घर से लाखों रुपये के जेवर और 24 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं शिकायतकर्ता की सास की तबीयत खराब होने के कारण वो छह नवंबर को जबलपुर गया हुआ था उसके पड़ोसी से घर पर चोरी होने की जानकारी मिलने पर वो अपने घर लौटा और जाकर देखा तो घर से लाखों रुपये के जेवर और नकदी गायब थे शिकायत पर कुम्हारी पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ चोरी की धारा के तहत प्राथमिकी कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बीएसपी एवं जिला चिकित्सालय ने किया चिकित्सा शिविर आयोजित

भिलाई, 15 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग के संयुक्त तत्वाधान में 11 नवंबर को ग्राम लिमतरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (बीएसपी) से डॉ एम सरस्वती, बीपी शुगर जांच हेतु श्रीमती रेखा देव, फार्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, पंजीयन हेतु शंभुदयाल तथा जिला चिकित्सालय दुर्ग से डॉक्टर निहारिका बघेल एवं नर्स सुश्री खुशाली साहू उपस्थित थे।

बटरेल में ग्रामीणों ने उठाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई, 15 नवंबर। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग एवं जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वधान में 9 नवम्बर को ग्राम बटरेल में मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 47 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई एवं इनका पैथोलॉजी जांच भी किया गया।

विधायक ललित चंद्राकर ने किया धान खरीदी का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई 15 नवंबर। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत वृत्तकार सेवा सहकारी समिति (धान खरीदी केंद्र) उतई में धान खरीदी का दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने विधिवत पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर किसानों को गमछा प्रदान कर उनका सम्मान किया। धान तौलने की प्रक्रिया शुरू कर किसानों के योगदान को सराहा और उनकी मेहनत को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं की जानकारी दी। इस पहल से किसानों को बेहतर मूल्य और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने किसान भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा* आज से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की शुरुआत हो रही है, जिसके तहत हमारी सरकार ने आप सभी की सुविधा के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अन्नदाता साथियों के धान खरीदना हमारा लक्ष्य है,जिसके तहत इस बार 27 लाख

से अधिक किसानों का धान हमारी सरकार खरीदेगी और भुगतान भी 72 घंटे के अंदर सुनिश्चित करेंगे। प्रथम दिवस पर समर्थन मूल्य पर धान 22 किसानों ने बेचे। प्रथम टोकन कृष्ण तिवारी पिता सच्चिदानंद तिवारी द्वितीय ,टोकन मोती लाल पिता मंगल दास, कंगलु राम, वेदप्रकाश, चंद्राकर, सेऊक राम साहू, श्याम कुंवर,मीराबाई,नीलमणि चंद्राकर, देवेन्द्र कुमार चंद्राकर, भगवती प्रसाद, पुखेंद्र कुमार,साहू राधेश्याम साहू ,ललित कुमार,योगेश कुमार तेजराम साहू रमाकांत भारती, प्रभादेवी प्रिंस शीतल कुमार भीखम प्रसाद,उगेंद्रकुमार,तुलाराम ,गंगाप्रसाद ने प्रथम दिवस पर समर्थन मुल्य पर धान बेचा । इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री रोहित साहू उतई मंडल अध्यक्ष फत्ते लाल वर्मा, महामंत्री सोनू राजपूत, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता चंदू देवांगन रूपेश पारख, सतीश चंद्राकर,लक्ष्मीनारायण साहू घनश्याम चंद्राकर विमल कामडे, शीतल , दानेश्वरी देशमुख, रेखा वर्मा पुष्पा रामटेक हरीश यादव खूबी लाल साहू डॉ अनिल साहू चिंटू सिन्हा, वैभव देवांगन, देवेंद्र सिंह राजपूत, समिति प्रबंधक गिरधर सोनी , प्रहलाद साहू , तिलकराम साहू,खोवलाल, गोविंद प्रसाद साहू, जयंत साहू, पुरण लाल,साहू, बीसे लाल साहू, आलोक कुमार साहू भीखम शर्मा राम सिंह साहू अरुण सोनी मायाराम सिंह जेठालाल साहू चेतनलाल साहू, डीकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान भाई बहन उपस्थित रहे।

निगम ने की जवाहर नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 15 नवंबर। नगर पालिक निगम भिलाई के वैशाली नगर जोन-2 वार्ड क्रमांक 25 जवाहर नगर हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में अतिक्रमण पर बेदखली की कार्यवाही की गई। जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायत की गई थी कि अज्ञात व्यक्ति निगम भिलाई के भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कर रहा है 7 अतिक्रमणकारी को नोटिस दिया गया कि भूखंड स्वयं का है, दस्तावेज निर्धारित समय अवधि में प्रस्तुत करने को कहा गया। समय सीमा के अंदर संबंधित द्वारा दस्तावेज नहीं प्रस्तुत किया गया। शिकायत के आधार पर निगम के राजस्व अधिकारी एवं तोड़फोड़ दल मौके का निरीक्षण करने पहुंचे। वहां पर देखा की निगम की भूमि पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। वैशाली नगर के जोन आयुक्त को इस बात का ज्ञात होते ही कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा निगम की भूमि पर अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा है। जोन आयुक्त येशा लहरे ने राजस्व अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिसके आधार पर निगम की टीम अवैध निर्माण

को जे.सी.बी. के माध्यम से तोड़कर भूमि को मूर्त रूप दिए। गौरतलब है कि अवैध निर्माण करने वाले किसी प्रकार के व्यक्ति के निर्माण स्थल को नगर निगम भिलाई उसके स्वयं के व्यय से तोड़कर उससे अर्थदण्ड वसूल करेगी। कार्यवाही के दौरान वैशाली नगर जोन-2 राजस्व विभाग से राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी, कृष्ण कुमार सुपैत, अरुण सिंह, पूषण देशमुख, गुप्ता नंद तिवारी एवं मुख्य कार्यालय से बेदखली दल हरिओम गुप्ता के साथ राजेन्द्र सिंह, कन्हैया यादव, मंगल जांगड़े, विष्णु सोनी आदि उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

कवर्धा नगर में धूमधाम से मनाया गया गुरु पर्व

कवर्धा 15 नवंबर। सुबह सुबह प्रभात फेरी गुरूद्वारा पहुंचने के बाद सहज पाठ की संपूर्णता की गई । निशान साहिब की चोले की सेवा उपरांत एक सबद की हाजिरी तत्पश्चात दीवान की संपूर्णता हुई । गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष महेंद्र सिंह खनूजा , दीपक सिंह छाबड़ा , निक्की खुराना , सतपाल सिंह पाहुजा , रविंद्र कौर खुराना दर्शित सिंह छाबड़ा ईश्मित कौर , रशजीत कौर चावला , मंजीत कौर मखीजा , नीलम छाबड़ा , अमनदीप कौर सलूजा , बलजीत कौर सलूजा, दर्शप्रीत कौर अरोरा, हरविंदर सिंह अरोरा, संतोष बाधवा , जसप्रीत सिंह , मनप्रीत सिंह , रणजीत सिंह , चरण जीत कौर , कुलजीत सिंह मुटरेजा , हरजीत सिंह खुराना , दलजीत सिंह पाहुजा , नरेंद्र सिंह सलूजा , हरमीत कौर मुटरेजा, अंकिता, नरेंद्र कौर,सौम्या, सुखमीत कौर अरोरा अवनीत कौर तलूजा , गुरदीप कौर पाहुजा , गुरप्रीत सिंह और सिक्ख समाज से बच्चों सहित परिवार ने धूम धाम से गुरु पर्व मनाया ।

रेस्ट हाउस उतई में मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा को बधाई देने लगा रहा तांता

उतई 15 नवंबर। भाजपा उतई मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर भाजपा उतई मंडल के कार्यकर्त्ताओं के द्वारा उतई रेस्ट हाउस में वृक्षारोपण करके व केक काटकर मिठाई खिलाकर जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर महामंत्री सोनू राजपूत,भाजयुमों अध्यक्ष प्रवीण यदु,करण सेन,सतीश चंद्राकर, चंदु देवांगन,लक्ष्मीनारायण साहू,फलेंद्र राजपूत,घनश्याम चंद्राकर,शुभम वर्मा,सरपंच मंजू वर्मा,बिमला कंमडे़,दनेश्वरी देशमुख,शीतल रात्रे,टिकेश्वरी साहू,लक्ष्मी बंजारे,ममता चंद्राकर,वैभव देवांगन,सुखीत यादव,खूबीराम साहू,नरेंद्र साहू,सोहन रिगरी,हुबलाल चंद्राकर,रूपेश पारख,देवेंद्र राजपूत,सोमेश साहू,अजय हिरवानी,दिनेश पटेल,राजूलाल,विनोद,छगन बंजारे,हरीश यादव,ओपी चंद्राकर, सहित अधिक संख्या में कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहें।

बाल दिवस पर महिला जागृति शिविर में शामिल हुए विधायक रिकेश सेन

भिलाई, 15 नवंबर। बाल दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई के तहत परियोजना स्तरीय महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया जिसमें वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। अंबेडकर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में नवजात बच्चों का अन्नप्राशन तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई रस्म अदायगी की गई। कार्यक्रम में सेक्टर स्तरीय सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी विधायक द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भिलाई परियोजना अधिकारी रचिता नायडू सहित विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इस दौरान महिला समूहों द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण आहार और प्रोटीन युक्त रेडी टू ईट खाद्य व्यंजनों के स्टाल का भी विधायक ने अवलोकन किया। सम्बोधित करते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जागृति शिविर के माध्यम से आप सबको बताया गया है कि कैसे गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना है, कौन सा पोषण आहार लेना है, कैसे अपनी देखभाल करनी है। वैसे तो लगभग इन सभी बातों का ज्ञान आप लोगों को है तभी आप लोगों को मातृशक्ति कहा जाता है लेकिन उसके बावजूद भी महिला बाल विकास का जो यह आयोजन है वह सरकार की इच्छा शक्ति का परिचायक है। आने वाली जनरेशन को भी हमारे रीति-रिवाज और परंपराओं की जानकारी हो सके और अन्नप्राशन जैसे संस्कार नई जनरेशन को बताने की जवाबदारी आप लोगों की बनती है। शिविर में अलग-अलग संस्थाओं द्वारा यह भी बताया गया कि आप लोगों के लिए कौन सा आहार पौष्टिक है, किसमें प्रोटीन है।

चार्ज लेते ही आयुक्त राजीव पांडेय पशुओं का चारा-पानी देखने पहुंचे गौठान

भिलाई, 15 नवंबर। नगर निगम भिलाई के आयुक्त पद पर पदभार ग्रहण करते ही आयुक्त राजीव कुमार पांडे रात्रि 7:30 बजे डी मार्ट स्थित नगर निगम भिलाई के शहरी गौठान को देखने पहुंचे। वहां पर जाकर के पशुओं को मिलने वाले चारे पानी आदि व्यवस्था का निरीक्षण किये। अभियंता अखिलेश चंद्राकर को को निर्देश दिए कि किसी प्रकार की कमी नहीं होना चाहिए। चारे, पानी, पैरा, कुट्टी का पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र से पैरा माँगा के पर्याप्त मात्रा में रखा जाएगा और पानी की व्यवस्था पूरी होगी। जिससे जानवरों को किसी प्रकार की तकलीफ न हो।

गैर संकार्य विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

भिलाई, 15 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के गैर संकार्य विभाग में 13 नवम्बर को शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। समारोह में जून, जुलाई एवं अगस्त 2024 के लिए गैर संकार्य विभाग के कर्मचारियों को शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कड़ी में नगर सेवाएं विभाग के रविन्द्रनाथ, इंजीनियरिंग एसोसिएट, संजय कुमार श्रीवास्तव, इंजीनियरिंग एसोसिएट, नागराजू, अनुभाग अधिकारी एवं रामकान्त यादव, सेक्शन एसोसिएट, सीएसआर विभाग के आशुतोष कुमार सोनी, ऑफिस एसोसिएट, औद्योगिक संबंध से साजिद हुसैन खान, अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी तथा मानव संसाधन से सुश्री सारिका सोनी, एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट को मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर द्वारा सम्मानित किया गया।

राजीव पाण्डेय ने ग्रहण किया नगर निगम भिलाई के आयुक्त का पदभार

भिलाई, 15 नवंबर। नगर पालिक निगम भिलाई में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने चार्ज ग्रहण कर लिया है। चार्ज लेते ही उन्होंने कहा कि शासन द्वारा चलाये जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास किया जाए। सभी अधिकारी कर्मचारी शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगें। हमारा प्रयास होगा समय अवधि में सभी कार्यों का निराकरण हो, जनता को संतुष्टि मिले। सभी सुविधाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे।

चित्रकार बृजेश ने बनाया गुरु नानक देव का आकर्षक चित्र

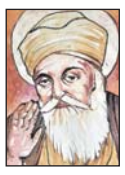

भिलाई, 15 नवंबर। प्रसिद्ध चित्रकार बृजेश तिवारी ने सिक्खों के पहले गुरु, गुरु नानक देव की तस्वीर बनाकर लोगों को उनके सिखाये गए मार्ग पर चलने के लिए कहा है।

-कमिश्नर ने वार्डों में छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम भी तेजी से करने दिए निर्देश

दुर्ग 15 नवंबर। नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा सतत मॉनिटरिंग में सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।शहर सफाई व पुलिया एवं नाली की सफाई उपरांत आम नागरिकों की परेशानी दूर होगी।निरीक्षण के मौके पर कमिश्नर ने शहर में सफाई व्यवस्था को सुधारने कहा।सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए निगम कमिश्नर लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।कमिश्नर सुमित अग्रवाल शहर की सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में आज सुबह शहर के शिवनाथ नदी पर साफ सफाई का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये,उन्होंने इंटकबेल, 24एमएलडी सहित, पुलगांव नाले का तथा वार्ड क्रमांक 36 एवं 37 गंजपारा क्षेत्रो मे सफाई व्यवस्था का जायजा लिया एवं सफाई को बेहतर करने कार्य करने हेतु निर्देशित किया !उन्होंने शिवनाथ नदी परिसर का निरीक्षण कर प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा को साफ सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं का समारोह आयोजन कर किया गया सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा 15 नवंबर। संतोष पाण्डेय, सांसद राजनांदगांव लोकसभा एवं श्रीमती भावना बोहरा, विधायक पण्डरिया विधानसभा, श्रीमती सुशीला रामकुमार भट्ट अध्यक्ष जिला पंचायत एवं जिले के जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न। जिला कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ऑगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के जिलास्तरीय सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांसद संतोष पाण्डेय ने अपने उद्बोधन मे बताया कि राष्ट्र के निर्माण के लिए महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है और हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने महिलाओं का सम्मान करते हुए संसद मे महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत कर मान बढ़ाया है और हमारे देश मे अहिल्या बाई होल्कर, मिनीमाता, अवन्ती बाई लोधी जैसे महान नारियों ने राष्ट्रीय स्तर पर समाज को जोड़ने का कार्य किया है। वैसे ही आप लोगों

द्वारा समाज के हमारे नन्हे मुन्ने बच्चो के जीवन को संवारते हुए समाज के मुख्यधारा से जोड़ने का काम करते है। हमारे माता एवं बहनो से ही बचत की नींव की शुरूवात होती है, जिस प्रकार घर मे आर्थिक संकट आने पर अपनी छोटी छोटी बचतों के माध्यम से अपने घर मे आये हुए आर्थिक संकट को दूर करने मे अपनी अहम भूमिका निभाती है। कार्यक्रम मे श्रीमती भावना बोहरा, विधायक पण्डरिया विधानसभा ने अपने उद्बोधन मे आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को संबोधित करते हुये कार्यक्रम के संबंध मे कहा कि, जिले मे अपने तरह का यह पहला कार्यक्रम है जिसमे ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को सम्मान कर छत्तीसगढ़ मे महिलाओं का मान बढाया है। हमारे कवर्धा जिला मे 1707 आगनबाड़ी केन्द्र है जिसमे लगभग 3400 ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकायें शासन-प्रशासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वयन करने मे अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाये हर क्षेत्र मे पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से अपनी कर्तव्यो का पालन करती है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहने अपने परिवारिक कर्तव्यो का निभाते हुये आंगनबाड़ी आने वाले बच्चों विशेषरूप से अपनी ममता की आंचल से ढकने का कार्य करती है। उनके प्यार दुलार एवं ममत्व के कारण ही आज यह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं। मै इन्हे और अच्छे और बेहतर कार्य करने की शुभ कामनाये देती हूँ। श्रीमती सुशीला रामकुमार भट्ट अध्यक्ष जिला पंचायत ने कहा कि महिलाओं का सम्मान करना अति आवश्यक है चाहे वह किसी भी क्षेत्र मे हो जैसे सामाजिक, राजनीतिक और शिक्षा। हमारी माताएं एवं बहने घरेलू कार्य के साथ-साथ छोटे-छोटे बच्चो को अपने आगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से शिक्षा देकर उनका भविष्य गढ़ने का काम करती है।विभाग के द्वारा कार्यक्रम मे आये हुए सभी आगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं का पुष्पा वर्षा कर एवं तिलक लगाकर स्वागत किया । जनप्रतिनिधियों के द्वारा 38 उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों के द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के साथ नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं कार्यकताओं के द्वारा अपनी छत्तीसगढ़ी नृत्य संगीत कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुति दी गयी ।

एक नजर

माता देवाला दर्शन यात्रा का तीसरा चरण 15 नवंम्बर बेल्हरी अंचल से

डोंगरगांव 15 नवंबर। विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर के गांव बेल्हरी से माता देवाला दर्शन यात्रा का तीसरा चरण 15 नवम्बर को होगी जिसमें ग्राम बेल्हरी चैतु बाबा मंदिर प्रांगण, सें यात्रा प्रारंभ होकर पुरैना,अन्य नवागांव, एवं ग्राम रूवातला में समापन होगा। माता देवाला यात्रा को प्रारंभ करने वाले विधायक श्री दलेश्वर साहू डोंगरगांव ने एक जानकारी में बताया की यात्रा का उददेश्य हमारे पूर्वजो द्वारा आदिकाल से सनातन धर्म की प्रतिक ग्रामीण क्षेत्र मे विराजित देवी देवताओ के प्रति आस्था व श्रद्धा जगाने के साथ प्राचीन और पौराणिक संस्कृति व मान्यताओ को जनजन तक पहुंचाने के लिये माता देवाला दर्शन यात्रा डोंगरगांव विधायक दलेश्वर साहू द्वारा तैयार योजना के अनुसार पुरे प्रदेश में पहली बारअपने तरह के इस अनुठे दर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। श्री साहू ने बताया कि यात्रा के माध्यम से नयी युवा पीढ़ी को ग्रामीण क्षेत्र में विराजित हमारे माता देवाला व ग्रामीण देवी देवताओ सें संबंधित मान्यताओ और वैज्ञानिक कारणो से अवगत कराना है। साथ ही हम देखते है कि गांव में विभिन्न स्थानो पर नाना प्रकार के मूर्ति व चबूतरे तथा पत्थर लगे रहते है। जिन्हें हम देवी देवता मानकर नमन और वंदन करते है और यह परपंरा सदियो से चली आ रही है। लेकिन आज के पीढ़ी को यह नहीं मालूम होता है कि वे कौन से देवी देवता है गांव के बुजुर्ग या सियान लोग भी इस संबंध में कम जानकारी रखते हैसभी देवी देवताओं का अपना अपना महत्व्व होता है जिसे ग्रामीणजन ग्राम में त्यौहार मनाकर वंदन पूजन करते है। इन्हीं सब बातो को लेकर यह यात्रा निकालने का विचार आया औरलगभग एक वर्ष से इस यात्रा के तैयारी किये है। यात्रा के दौरान ग्रामीण माता देवाला को जिर्णोद्धार करवाने का योजना भी बनी है, यात्रा के संबंध में वरिष्ठ साहित्यकारो के माध्यम से पत्रिका का भी प्रकाशन किया जावेगा। यात्रा में माता देवाला में शीतला माता सहित अन्य ग्रामीण देवी देवताओ की प्रतिकृति झांकिया दिखायी जायेगी।

खुज्जी सोसाइटी में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

डोंगरगांव 15 नवंबर। छत्तीसगढ़ में 3100 रुपए समर्थन मूल्य पर आज से 2739 केंद्रों में धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि, इस बार 72 घंटे के अंदर किसानों को पैसे का भुगतान होगा। प्रदेश में कुल 27 लाख किसान पंजीकृत है। जिनमें 1 लाख 35 हजार नए किसान रजिस्टर्ड हुए हैं। इसी कड़ी में आज दिनांक 14/11/ 2024 को खुज्जी सोसाइटी में धान खरीदी का शुभारंभ किया गया जिसमें मुख्य अतिथि तखत राम सोनकर पूर्व अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति खुज्जी, उत्तम चंद नाहटा , कमल नारायण साहू, राधेश्याम कमरिया, एवं शाखा प्रबंधक प्रताप शुक्ला जी पर्यवेक्षक विजय नायक एवं समिति प्रबंधक जितेंद्र यादव जी समस्त कर्मचारी के साथ कृषक गानों को गाते हुए पूजा पद्धति के उपरांत शुभ आरंभ किया गया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ में 36 हजार 263 हेक्टेयर नए रकबे भी पंजीकृत हुए है। धान खरीदी में किसानों को सहूलियत के लिए केंद्रों में बायोमेट्रिक डिवाइस लगाई गई है। जिसमें सभी छोटे और बड़े किसान समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे।

धान के अवैध परिवहन पर की गई जब्ती की कार्रवाई

मोहला 15 नवंबर । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार खाद्य विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त टीम गठित कर महाराष्ट्र की सीमा से जिले में आने वाले धान परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जांच टीम द्वारा चिल्हाटी में ट्रक क्रमांक सीजी 07 8665 का आकस्मिक जांच किया गया। उक्त ट्रक ड्राइवर श्री कृपा शंकर भारती से पूछताछ किया गया। ड्राइवर द्वारा बताया गया कि ट्रक में धान प्रमोद वाय सोनकर पैडडी ग्रेन मर्चेंट अमोरी जिला गढ़चिरौली महाराष्ट्र से 373 बोरियों में 282.60 क्विंटल कीमत 641502 रुपया का लोड किया गया था। जिसे सचदेव फूड प्रोडक्ट रायपुर श्री राकेश खंडेलवाल के यहां छोड़ गया था। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है। उक्त अवधि में अन्य राज्य से छत्तीसगढ़ में धान परिवहन के संबंध में किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण जांच टीम द्वारा उक्त धान को ट्रक सहित जप्त कर थाना चिल्हाटी की अभिरक्षा में रखा गया है। इस मौके पर तहसीलदार श्रीमती अनुरिमा टोप्पो, सहायक खाद्य अधिकारी संजय

आदिवासी जनजाति सदैव उन्नति के लिए संघर्षरत रहा मोदी ने उन्हें उनके असली हक दिलाया:.गुरु सुखवंत साहब

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद 15 नवंबर। जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरियाबंद के विशाल जनता को वर्चुअल संबोधित करते हुए जनजाति गौरव दिवस पर आदिवासी समाज की उपलब्धियां को बतलाया इस अवसर पर गरियाबंद में के इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में आरंभ के विधायक गुरु सुखबंध साहब एवं अध्यक्षता राजीव विधायक रोहित साहू ने किया इस अवसर पर गरियाबंद के जिलाधीश दीपक अग्रवाल जिला पंचायत सीईओ रीता यादव आदिवासी विभाग के एक नवीन भगत जिला शिक्षा अधिकारी

सारस्वत भारतीय जनता पार्टी के विधायक अध्यक्ष राजेश साहू महामंत्री अनिल चंद्राकर नगर पालिका अध्यक्ष गप्पू मेमन जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ठाकुर नगर पालिका उपाध्यक्ष सुरेंद्र सुनते के साथी अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे आदिवासी जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर समाज के विशाल सभा को संबोधित करते हुए आरँग के विधायक गुरु सुखवंत साहब एवं राजिम विधायक रोहित साहू ने कहा आदिवासी समाज भगवान बिरसा मुंडा जी आप सबका मालूम है स्वतंत्रता सेनानी जो देश में आजादी दिलाई के लिए अपन बलिदान भी दे हमें ऐसे हमारे भगवान बिरसा मुंडा जी के सुपुत्र आदिवासी समाज के हैं जो देश आजाद दिलाई आजादी दिलाई के लिए अपन कुर्बानी दे है लेकिन कभी भी यह आदिवासी समाज का अनुसूचित जनजाति किसी प्रकार के हक अधिकार या किसी प्रकार के सम्मान के बात कभी नहीं किये इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 19 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास - जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक श्री गुरु खुशवंत साहेब, श्री रोहित साहू सहित जनप्रतिनिधियों ने पीएम जनमन अंतर्गत स्वीकृत 19 करोड़ 86 लाख 84 हजार रुपए के 6 निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें विकासखंड फिंगेश्वर एवं छुरा अंतर्गत 12 करोड़ 49 लाख रुपए लागत के 22.60 किमी के 16 सडक निर्माण कार्य, मैनपुर के ग्राम-धवलपुर व जिडार में 5 करोड़ 50 लाख रुपए लागत के छात्रावास निर्माण कार्य, वि.ख. गरियाबंद एवं मैनपुर में 1 करोड़ 5 लाख 21 हजार रुपए लागत के आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य, विख गरियाबंद एवं छुरा में 10 लाख रुपए लागत के वनधन विकास केंन्द्र निर्माण कार्य, मैनपुर के ग्राम-चितकीमुडा एवं ग्रा.प. - बोईरगाव में राज्य आयोजना मद अंतर्गत 62 लाख रुपए के लागत के बहु उद्देश्यीय केन्द्र निर्माण कार्य, मैनपुर के ग्राम-कुरूभाठा में अधोसंरचना विकास मद भुजिया विकास अभिकरण अंतर्गत 10 लाख रुपए के लागत के भुजिया सामुदायिक भवन निर्माण कार्य शामिल है।

पड़रामटोला में अखंड रामायण की शुरुआत 80 की दशक में छोटे महंत ने की: हारुन मानिकपुरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरिया 15 नवंबर। से मात्र पांच किलोमीटर दूर ग्राम पड़रामटोला में हर साल कार्तिक पूर्णिमा के पूर्व संध्या से अखंड रामायण पाठ किया जाता है। इस वर्ष भी अखंड रामायण पाठ 14 नवंबर को शुभारंभ होकर दुसरे दिन यानी 15 नवंबर दिन शुक्रवार को लगभग दोपहर तक चलेगी। ग्राम पड़रामटोला में अखंड रामायण की शुरुआत 80 की दशक में छोटे महंत (रामदास मानिकपुरी) ने ग्राम के ही जुगूत राम कंवर,मीना कंवर, गैंदालाल कंवर आदि के साथ सावन महिने भर रोजाना रामायण पाठ करते थे। और कार्तिक मास के पूर्णिया के पूर्व संध्या से अखंड रामायण पाठ की शुरुआत की और दूसरे दिन दोपहर बाद शोभा यात्रा निकालकर नगर भ्रमण कर शाम तक विसर्जन किया जाता है। आज ग्राम पड़रामटोला में ग्राम वासियों की तत्वावधान में कार्तिक पूर्णिमा मेला, मंडई का रुप ले लिया है। रामदास मानिकपुरी (छोटे महंत) के सुपुत्र हारुन मानिकपुरी ने बताया

कि बाबू जी में रामचरित मानस और अखंड रामायण के प्रति इतना लगाव था कि कार्तिक पूर्णिमा पूर्व संध्या को रात बिता देते थे। और कहते थे कि श्री रामचरित मानस पढ़ना कोई मामूली बात नहीं है। जिसके ऊपर ईश्वर की बहुत कृपा है वो ही श्री रामचरित मानस जी का पाठ कर सकते हैं। वह स्वयं मात्र तिसरी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कर रामायण की व्याख्यान सुनाते थे। वह कहते थे कि जबर्दस्ती पढ़ेंगे तो कुछ दिन में आप भटक जाएंगे। वह अपना अनुभव बताते थे कि श्री रामचरित मानस स्वयं भगवान है। साधू हो चाहे संसारी ये सबके लिए कल्पवृक्ष है। कलयुग में आदमी मंत्र तंत्र में भटक जाते हैं अंत में हाथ में कुछ नहीं लगते और परेशानियां बढ़ जाते हैं। जीवन में सफल होने का या भगवान से सीधा नाता जोड़ने का इससे उत्तम मार्ग और कुछ नहीं मिलेगा। एकबार संकल्प करके पाठ करके आजमा लीजिए। जो दारू पीता है उसको दारू छूट जाएगा। जो तड़प रहा है उसको शांति मिलेगा। थोड़ा समय लग सकता है , नियमित पाठ का फल वर्णन नहीं किया जा सकता। श्री रामचरित मानस स्वयं भगवान है जो चाहोगे वहीं मिलेगा,केवल इसको छोड़ना नहीं है , श्री रामचरित मानस के माध्यम से लाखों लोग अपना जीवन सफल बना रहे हैं। आप सबके जीवन में श्री रामचरित मानस जी जरूर कृपा करेंगे।

समाचार संक्षेप

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत आवास का लाभ देने आयोजित कार्यशाला में पार्षदों को दी गई जानकारी

राजनांदगांव 15 नवंबर। शहरी क्षेत्र में निवासरत कमजोर वर्ग व मध्यम वर्ग के परिवारों का स्वयं के आवास का सपना साकार करने प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वितीय चरण की शुरूवात की जा रही है। जिसके दिशा निर्देश की विस्तृत जानकारी देने आज पार्षदों की कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें शासन के मापदण्डों की जानकारी दी गयी और योजना का शुभारंभ करने कल 15 नवम्बर 2024 को दोपहर 1 बजे निगम सभागृह में शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आज पार्षदों के लिये आयोजित कार्यशाला में आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने पार्षदों को जानकारी देते हुये बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वितीय चरण में कमजोर एवं मध्यम वर्ग के आवासहीन परिवार का स्वयं के आवास का सपना साकार करना है। जिसके तहत सभी पात्र लाभार्थी/परिवारों/कार्यान्वयन एजेन्सी को किफायती लागत पर आवास के निर्माण, खरीद या किराये के लिये राज्यो/संघ राज्य क्षेत्रों/प्राथमिक ऋणदाता संस्थानों (पी.एल.आई.) के माध्यम से केन्द्रीय सहायता प्रदान की जायेगी। योजना 4 घटकों के माध्यम से लागू किया जायेगाः आवास योजना के प्रभारी अधिकारी व कार्यपालन अभियंता श्री इमरान खान ने पार्षदों को पात्रता की शर्तें एवं आवश्यक दस्तावेंज जो आवेदन के साथ जमा करना है के संबंध में जानकारी दी। पार्षदों ने भी अपने सुझाव रखते हुये कहा कि योजना की जानकारी देने वार्डों में मुनादी करावे तथा प्रचार प्रसार करे और वार्डो में आवेदन जमा करने शिविर लगावे एवं निगम कार्यालय में भी आवेदन लेने व जानकारी देने की व्यवस्था करे। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिये वार्डो में आवेदन जमा करने शिविर का आयोजन किया जायेगा, जिसके लिये अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जा रही है। उन्होंने पार्षदों से अपील करते हुये कहा कि आप सब अपने अपने वार्ड में वार्डवासियों को योजना की जानकारी देकर आवेदन भराने सहयोग प्रदान करे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को आवास योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कल दिनांक 15 नवम्बर को योजना का शुभारंभ के लिये दोपहर 1 बजे निगम सभागृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें योजना से संबंधी जानकारी उपस्थितजनों को दी जावेगी। कल आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में निर्धारित समय में उपस्थित होने आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने महापौर, निगम अध्यक्ष, नेताप्रतिपक्ष, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्यगण, पार्षदगण सहित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार बंधुओं तथा वार्डवासियों से उपस्थिति की अपील की है। आज के कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु सहित महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य श्री संतोष पिल्ले, श्री गणेश पवार, जिला योजना समिति के सदस्य श्री सिद्धार्थ डोंगरे, पार्षद सर्वश्री शिव वर्मा, टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, गगन आईच, राजेश गुप्ता चम्पू सहित पार्षदगण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

महाराजपुर धान खरीदी केन्द्र का शुभारंभ

छुरिया 15 नवंबर। गुरुवार को सेवा सहकारी समिति महराजपुर मे बड़े हर्षोल्लास के साथ धान खरीदी सुभारंभ पूजा अर्चना कर किया गया जिसमे मुख्य अतिथि चंद्रिका प्रसाद डडसेना उपाध्यक्ष जिला भाजपा , श्यामसुंदर साहू महामंत्री किसान मोर्चा ,थान सिंग कंवर सरपंच महराजपुर ,अतिश कुमार सिन्हा सरपंच रंगीटोला, नूतन साहू पूर्व अध्यक्ष, गणेश राम माली, दुर्जनपुरी गोस्वामी, कृष्णा धनकर पूर्व सरपंच लालूटोला ,पटवारी पुरोत्तम नेताम, केजराम सिन्हा समिति प्रबंधक, केजराम यादव व बहुत हि बड़ी संख्या मे आये किसानों की मौजूदगी मे किया गया।

नन्हें वैज्ञानिकों ने जीत लिया निर्णायकों का दिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव , 15 नवंबर । स्कूली बच्चों की विज्ञान के प्रति रुचि एवं उनके अंदर छिपे वैज्ञानिक गुण को परखने सीबीएसई के बैनर तले रीजनल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन अंचल के कृष्णा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल , रायपुर में किया गया । प्रदेश भर से स्कूलों के बच्चों ने उक्त प्रदर्शनी में अपने कौशल का प्रदर्शन किया. स्थानीय वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल के बच्चों ने प्रथम स्थान अर्जित कर संस्कार धानी नगरी को गौरवान्वित किया ।नगर की सबसे प्राचीन वेसलियन इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्राचार्य अजीत स्कॉट ने बताया कि रीजनल विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों के वैज्ञानिक मन को टटोलने का श्रेष्ठ माध्यम है । राज्य की राजधानी रायपुर में आयोजित उक्त प्रदर्शनी में शाला के विद्यार्थियों ने एग्रो इकोलॉजिकल रिसोर्स मैनेजमेंट पर अपना वर्किंग मॉडल बेहतर व्याख्या के साथ प्रदर्शित किया । साथ ही सोलर प्लांट में सोलर पैनल को साफ करने वाले पानी का उपयोग और प्रबंधन वर्टिकल गार्डेनिंग एवं मछली पालन में किस तरह किया जा सकता है , उसकी पूरी प्रक्रिया विद्यार्थियों ने बड़े ही रोचक अंदाज में प्रदर्शित किया । कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा कु. मंतशा इकबाल एवं कु.धारा सिंह ने प्रस्तुत विषय पर निर्णायकों की जिजीविषा को बड़े ही सटीक ढंग से संतुष्टि प्रदान की । विद्यार्थियों ने अतिरिक्त सोलर पैनल के नीचे की रिक्त भूमि में वर्मी कंपोस्ट उत्पादन और मधुमक्खी पालन की पूरी प्रक्रिया का सजीव प्रदर्शन कर निर्णायकों सहित दर्शकों का भी मन जीत लिया ।

शाला के बच्चे निरंतर नवाचार और वैज्ञानिक अभिरुचि के लिए शाला में स्थापित अटल टिंकरिंग लब के माध्यम से उच्च वैज्ञानिक क्षमता को प्राप्त कर रहे हैं । शाला प्राचार्य अजीत स्कॉट के साथ शिक्षक मुकेश देवांगन तथा कु.मंजरी यदु के मार्गदर्शन में मिली सफलता पर प्रबंधकों ने बधाई दी है ।

सिन्हा समाज का तहसील स्तरीय दीपावली मिलन समारोह 16 नवंबर को

छुरिया 15 नवंबर । छत्तीसगढ़ डडसेना कलार सिन्हा समाज का प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तहसील स्तरीय दीपावली मिलन समारोह का आयोजन दिनांक 16 नवंबर दिन शनिवार को सिन्हा सामाज भवन वार्ड नंबर 1चिचोला रोड़ छुरिया मे सुबह 11:00 बजे से आयोजित किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि दीपक कुमार सिन्हा संरक्षक छत्तीसगढ कलार डडसेना समाज,ठाकुर राम सिन्हा जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ डडसेना कलार सिन्हा समाज राजनांदगांव, अध्यक्षता करेंगे संतोष कुमार सिन्हा (गजरू राम सिन्हा)मंडलेश्वर तहसील छुरिया विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे चंद्रिका प्रसाद डडसेना संरक्षक सिंहा कलार समाज तहसील छुरिया, देवजी सिन्हा जिला महामंत्री, हरिशचंद सिन्हा जिला कोषाध्यक्ष राजनांदगांव, संजय सिन्हा पूर्व जिला कोषाध्यक्ष,रेवाराम सिन्हा पूर्व मंडलेश्वर , रामकुमार सिन्हाकोषाध्क्ष, नारायण सिन्हा सचिव,रोहित सिन्हा पूर्व सचिव,हीरालाल सिन्हा पूर्व कोषाध्यक्ष, जगतू राम सिन्हा, क्षेत्र अधिकारी गण नोहर सिन्हा ,ग्वाल सिन्हा, राजकुमार सिन्हा ,देव कुमार सिन्हा , देवधर सिन्हा, नरेंद्र दमोहे,सुमन लाल सिन्हा, गौर सिंह सिन्हा , पवरलाल सिन्हा, रामकुमार सिन्हा, इंदल सिन्हा, टुम्मनसिन्हा,विशेसर सिन्हा , भानु सिन्हा, गोल्डी सिन्हा तथा युवा मंच के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा सचिव नवनीत सिन्हा ,कोषाध्यक्ष चेतन सिन्हा आदि उपस्थित रहेंगे।नारायण सिन्हा सचिव ने बताया कि तहसील स्तरीय दीपावली मिलन समारोह कार्यक्रम के पश्चात सामाजिक प्रकरणों का निराकरण भी किया जाएगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने धान तौलकर खरीदी का किया शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 नवंबर। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू आज खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के सेवा सहकारी समिति मर्यादित ग्राम जोशीलमती और ग्राम गहिराभेड़ी पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना कर धान तौलकर खरीदी का शुभारंभ किया। अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने किसान भाइयों को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया और कहा कि भाजपा सरकार ही किसान हितैषी सरकार है किसानो की विकास और उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस साल प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी जा रही है और 3100 रुपए एकमुस्त राशि प्रदान किया जाएगा जिससे किसानों की चेहरों में खुशी है।

जिसमें प्रमुख रूप से हिरेन्द्र साहू मंत्री भाजपा

जिला किसान मोर्चा राजनांदगांव, मनीष त्रिपाठी, आलोक मिश्रा,गौरव अग्रवाल, तिलोचन साहू, इन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, कोमल साहू,संतोष कुमार, घनश्याम साहू सरपंच, बालमुकुंद कुंजाम सरपंच ग्राम पंचायत गर्रापार, तामेश्वर पटेल रामकुमार साहू यादव राम साहू चित्रांगन साहू,मिलू राम चन्द्र वंशी,ताजू राम चंद्रवंशी सेवाराम साहू, गणपत सिन्हा, बहादुर कोटेलकर, लोकनाथ साहू, भागवत कस्तूरे ,चंद्रभान , एवं 11 गांव के किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया धान खरीदी केंद्र अंबागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी का निरीक्षण

- किसानों से की चर्चा, फसल उत्पादन की ली जानकारी
- प्रस्तावित धान संग्रहण केंद्र भांसुला पहुंचकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मोहला 15 नवंबर । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज से जिले में हो रही धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लेने धान खरीदी केंद्र अंबागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पहुंचकर आज हुई खरीदी का मुआयना किया। उन्होंने समिति प्रभारी से चर्चा कर पारदर्शिता पूरक धान खरीदी करने और किसानों के साथ सकारात्मक सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि अन्नदाता किसानों का सम्मान करें। किसानों द्वारा

लाए गये धान की वास्तविक नाप तौल करें। खरीदी के दौरान नमी मापक मशीन से नमी की जांच करने कहा। धान खरीदी केंद्र स्थल में विशेष साफ-सफाई रखने, सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने समिति प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीदी के दौरान किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी ना हो, यह सुनिश्चित करें।

धान विक्रय करने आए किसानों से कलेक्टर ने चर्चा कर उनके द्वारा उत्पादित फसल की जानकारी ली। कलेक्टर ने अन्नदाता किसानों का सम्मान करते हुए कहा कि सभी पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान को धान विक्रय के दौरान कोई समस्या आने पर समिति प्रबंधक से मिलकर अपनी समस्या से अवगत कराएं। उन्होंने अंबागढ़ चौकी धान खरीदी केंद्र में धान विक्रय करने आए किसान श्री अमर सिंह से चर्चा कर फसल उत्पादन की जानकारी ली।

कलेक्टर ने इस दौरान ग्राम भंसुला में प्रस्तावित धान संग्रहण केंद्र स्थल का मुआयना किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान संग्रहण के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि आकस्मिक वर्षा होने की दशा में धान के रखरखाव और बचाव के लिए पूर्व से सभी तैयारियां रखें। इस दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी श्री एस एल ठाकुर, जिला खाद्य अधिकारी श्री आशीष रामटेके, जिला विपणन अधिकारी श्री प्रमोद सोम, तहसीलदार श्रीमती अनुरिमा टोप्पो उपस्थित थे।

जिले में पहले दिन 6310.80 क्विंटल धान खरीदी की गई ल्र

जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में सभी 27 धान उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी उत्साह जनक माहौल में शुरू कर लिया गया है। पहले दिन कुल 6310.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसमें उपार्जन केंद्र आड़ेझर में 38 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार आतरगांव में 284.40 क्विंटल, आमाटोला में 483.20 क्विंटल, औंधी में 236 क्विंटल, सरखेड़ा में 28 क्विंटल, कौड़ीकसा में 592.40 क्विंटल, खरदी में 44 क्विंटल, मुरारगोटा में 38.80 क्विंटल, गोटाटोला 208, मोहभटा 68 क्विंटल, चिल्हाटी में 174 क्विंटल, चौकी में 832 क्विंटल, छछानपाहरी में 700.40 क्विंटल, ढाढूटोला में 1530 क्विंटल, भर्रीटोला में 98.40 क्विंटल, भोजटोला में 120.80 क्विंटल, मटेवा में 48.80 क्विंटल, मानपुर में 342.80 क्विंटल, एकटकन्हार में 61.60 क्विंटल, मोहला में 326 क्विंटल, सीतागांव में 8.80 क्विंटल, पुतरगोदी कला में 24.80 क्विंटल एवं सोमाटोला में 18 क्विंटल धान की खरीदी पहले दिन की गई है।

गायत्री शिक्षण समिति के कर्मचारियों की ईपीएफ राशि का गबन, आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 15 नवंबर। प्रार्थी ब्रिज किशोर सुरजन पिता स्व0 विठ्ठलदास जी सुरजन उम्र 63 साल निवासी चैयरमेन गायत्री शिक्षण समिति राजनांदगांव द्वारा आरोपी उत्तम विश्वास के विरूद्ध 4048806/- रूपये गबन करने के संबंध में लिखित शिकायत प्रस्तुत कर बताया कि गायत्री शिक्षण समिति के तत्कालीन हेड एकाउटेंट उत्तम विश्वास द्वारा संस्था के कर्मचारियो का ईपीएफ राशि को वर्ष 2019 से फर्जी दस्तावेज तैयार कर तथा फर्जी क्यूआर कोड का इस्तेमाल कर विद्यालय के पंजाब नेशनल बैंक के खाता से 4048806/- रूपये का गबन कर अपने एक्सिस बैंक तथा बैंक आफ बडौदा के एकाउट मे निजी उपयोग हेतु ट्रासफर कर अपने एसबीआई खाता का केडिट कार्ड का भुगतान कर करना बताया। कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध दिनांक 04.06.2024 को थाना कोतवाली मे अप0क्र0 333/24 धारा 408 ,420,467,468,471भादवि0 कायम कर विवेचना मे लिया जाकर वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया

गया। पुलिस अधीक्षक राजनादगांव श्री मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र नायक राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में थाना कोतवाली से टीम गठित कर आरोपी की लगातार तकनिकी सहायता एवं मुखबीर की सूचना पर पतासाजी कर आज दिनांक 14.11.2024 को भिलाई दुर्ग से घेराबंदी कर हिरासत मे लेकर थाना लाया गया पूछताछ पर अपराध कबूल करने पर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

संपादकीय

हर चुनाव में महिलाओं को ज्यादा देने का वादा

जब भी चुनाव होते हैं तो राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए बड़े बड़े वादे करते हैं, वह सोचते हैं कि उनके बड़े बड़े वादे से जनता प्रभावित होगी और उनको वोट देगी। यह कोई रामबाण उपाय नहीं है कि राजनीतिक दलों ने जनता तो देने के लिए बड़ी बड़ी घोषणाएं कर दी और चुनाव भी वही जीत गई कई बार ऐसा भी हुआ है कि जिसने बड़े वादे नहीं किए हैं, वह राजनीतिक चुनाव जीत जाता है और जो सबसे बड़े बड़े वादे करता है वह चुनाव हार हार जाता है। एक लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने देश के हर गरीब परिवार को छह हजार रुपए महीना देना का वादा किया था यानी साल का 76 हजार रुपए। इतना ज्यादा पैसा गरीबों को देने का वादा आज तक किसी राजनीतिक दल ने नहीं किया था । इसलिए कांग्रेस मान कर चल रही थी कि जनता उसके वादे पर भरोसा करेगी और उसे वोट देकर जिताएंगी। कांग्रेस 2014 का चुनाव हार चुकी थी और उसके सामने बड़ी चुनौती थी कि 2019 का चुनाव नहीं हारना है, हर कीमत पर भाजपा व मोदी को हराना है। इस मौके पर भाजपा ने कांग्रेस से बड़े वादे करने की होड़ नहीं लगाई उसने कहा कि वह किसानों को साल में तीन किश्त में छह हजार रुपए देगी। जनता में मोदी की साख थी क्योंकि भाजपा व मोदी ने जा कहा वह करके दिखाया। देशहित व जनहित में ऐसे ऐसे काम करके दिखाए जो दूसरे राजनीतिक दल सोच नहीं पाए कि ऐसे भी जनता की सेवा हो सकती है। इस कारण जनता ने 2019 के चुनाव में जनता ने मोदी पर भरोसा किया कि यह आदमी जो कहता है वह करके दिखाता है। यानी इस पर भरोसा किया जा सकता है। जबकि राहुल गांधी को राजनीति में 20 साल से ज्यादा हो गए हैं लेकिन जनता को भरोसा जीतने वाला कोई काम वह अपने कांग्रेस शासित प्रदेश में करके नहीं दिखा पाए हैं, इसलिए देश की ज्यादातर जनता राहुल गांधी पर भरोसा नहीं करती है, जो कांग्रेस समर्थक लोग वही राहुल गांधी को वोट देते हैं क्योंकि उनके पास किसी और को वोट देने का आप्शन नहीं है। 2019 के चुनाव में जनता ने साल में छह हजार रुपए के वादे पर भरोसा किया और प्रति माह छह हजार रुपए के वादे पर भरोसा किया। इससे कांग्रेस के समझ जाना था कि जनता से वह बड़े बड़े वादे करेगी तो जनता उस पर भरोसा करने वाली नहीं है क्योंकि कांग्रेस शासित राज्यों में आए दिन खबर आती रहती है कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव मे जो वादे किए थे, उसे पूरे नहीं किए हैं, पूरे किए है तो जनता की जेब से पैसे निकाल कर किए हैं। चाहे वह कर्नाटक हो, तेलंगाना हो, हिमाचल हो। तीनों राज्य की सरकारे अपने चुनावी वादों को लेकर मजाक का पात्र बनती रहती है। कहीं किसान सरकार को वादा याद दिलाते हैं कि सरकार किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था, वह अब तक पूरा नहीं किया गया है। कहीं महिलाएं से किए वादों की समीक्षा की बात की जाती है, चुनाव में तो कहा जाता है सारी महिलाओं को बस में फ्री यात्रा की सुविधा होगी लेकिन कुछ महीने बाद ही पता चलता है कि परिवहन विभाग में इस वादे की वजह से कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। हिमाचल में तो कर्मचारियों को पैसे देने के लिए मंत्रियों के वेतन भत्ते रोक दिए गए थे। तीन राज्यों में कांग्रेस का वादा पूरा नहीं करने के कारण बुरा हाल है, पूरे देश की जनता को मालूम है कि कांग्रेस वादे को बड़े बड़े करती हैं लेकिन जब पूरे करने की बात आती है तो वह पीछे हट जाती है, शार्ट कर्ट ढूंढने लगती है। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने देश की गरीब महिलाओं को खटाखट एक लाख रुपए साल का देने का वादा कर उनको लखपति बनाने का सपना दिखाया था। इसके लिए फार्म भी भरवाया गया था लेकिन जनता ने भरोसा नहीं किया । इसके बाद भी कांग्रेस नहीं सुधरी हरियाणा में फिर वही बड़े बड़े वादे और परिणाम जनता ने फिर एक बार कांग्रेस के वादों पर भरोसा नहीं किया और बहुमत भाजपा को दिया। कश्मीर में भी कांग्रेस ने वादे तो बड़े बड़े किए लेकिन जनता ने उस पर भरोसा नहीं किया। अब महाराष्ट्र न झारखंड में सभी राजनीतिक दलों के बीच एक दूसरे से बढ़कर वादे करने की होड़ मची हुई है। वादे के मामले में कोई किसी से पीछे नहीं दिखना चाहता भले ही जनता उसके बड़े वादे पर भरोसा ही न करे। तुम महिलाओं को 2100 दोगे तो हम चार हजार देंगे। तुम युवाओं को इतने हजार बेरोजगारी भत्ता दोगे तो हम इससे इतने हजार ज्यादा देंगे। कोई किसानों का कर्ज माफ करने का वादा कर रहा है जबकि अभी तेलंगाना के किसानों का कर्ज माफ नहीं किया गया है । फिर यह सोचते हैं कि जनता इनके वादों पर भरोसा करे और उनके गठबंधन को जिता दे। जहां तक महिलाओं को नगद पैसा महिला सशक्तिकरण के नाम पर पहले से दिया जा रहा है, लेकिन ताजा उदाहरण मप्र का है का यहां का चुनाव भाजपा हार रही थी और उसने महिलाओं को नगद पैसा देने का वादा किया और वह चुनाव जीत गई। इसके बाद से दलों की धारणा बन गई है कि चुनाव जीतने के लिए जरूरी है कि महिलाओं को वोट पाने के लिए ज्यादा पैसा देने का वादा किया जाए। और अब यह राज्यों में दिखने लगा है। छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य में 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जा रहा है, मप्र बड़ा राज्य है फिर भी दिया जा रहा है क्योंकि चुनाव जीतने के बाद उसे मना नहीं कर सकते, मप्र सरकार की मजबूरी है महिलाओं को पैसा देना।यदि महाराष्ट्र जैसे राज्य में महिलाओं को यदि महिलाओं को तीन हजार रुपए दिया जाएगा, इससे महिला सशक्तिकरण हो न हो राज्य आर्थिक रूप से उसी तरह कमजोर हो जाएगा जैसे कर्नाटक,तेलंगाना, हिमाचल, हो गए हैं। लेकिन चुनाव जीतना है इसलिए किसी को इस बात को इस बात कोई फिक्र नहीं है कि वह वादे पूरे कर पाएंगे या नहीं, लोगों को फिर एक बार ठगने में सफल होंगे। राजनीतिक दलों की उस राजनीतिक ठगी पर रोक लगनी चाहिए।

गुरुनानक देव जयन्ती

(ललित गर्ग)

गुरुनानक देव समाजक्रांति एवं धर्मक्रांति के पुरोधा

भारतीय संस्कृति में गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। सिख धर्म के दस गुरुओं की कड़ी में प्रथम हैं गुरु नानक। अणु को विराट के साथ एवं आत्मा को परमात्मा के साथ एवं आत्मज्ञान को प्राप्त करने के एक नए मार्ग की परंपरा का सूत्रपात गुरुनानक ने किया है, यह किसी धर्म की स्थापना नहीं थी। उन्होंने परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित करने का मार्ग बताया। यही वह सार्वभौम तत्व है, जो मानव समुदाय को ही नहीं, समस्त प्राणी जगत को एकता के सूत्र में बांधे हुए हैं। इसी सूत्र को अपने अनुयायियों में प्रभावी ढंग से सम्प्रेषित करते हुए ह्यसिखह्ल समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता एवं सर्वधर्म सद्भाव का पाठ पढ़ाया। उन्होंने समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने के लिए लंगर परंपरा की शुरूआत की थी, जहां गरीब-राजा, ऊंच-नीच सभी लंगर खाते थे। उन्होंने ह्यनिर्गुण उपासनाह्ल पर जोर दिया और उसका ही प्रचार-प्रसार किया। वे मूर्ति पूजा नहीं करते थे और न ही मानते थे। ईश्वर एक है, वह सर्वशक्तिमान है, वही सत्य है, इसमें ही नानक देव का पूरा विश्वास था। उनका धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति, भक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है।

गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज अधिक प्रासंगिक हैं क्योंकि उन्होंने मानवता और सत्कर्म को सबसे बड़ा धर्म बताया था। उन्होंने समाज में कई बदलाव लाने का काम किया, उन्होंने स्त्रियों को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा दिया और वैवाहिक जीवन को पवित्र माना। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सभी धर्म, जाति, और सम्प्रदाय के लोगों को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने आडंबर और अंधविश्वासों का खंडन किया और ईश्वर की प्रत्यक्ष भक्ति पर जोर दिया। उन्होंने अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए संवादों का महत्व बताया और निस्वार्थ सेवा को बढ़ावा देते हुए करुणा, परोपकारिता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया। गुरुनानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव सर्वधर्म सद्भाव की प्रेरक मिसाल है। उनके जन्म दिन को हम प्रकाश पर्व, गुरु पर्व, गुरु पूरब भी कहते हैं। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु - सभी गुणों को

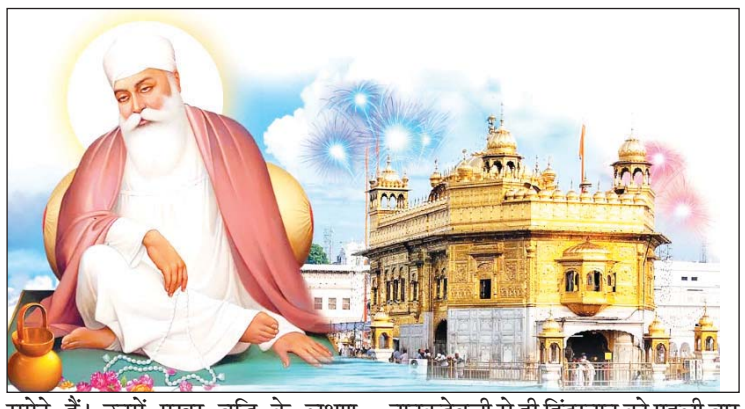

समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से सांसारिक अज्ञानता को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। गुरु नानकजी ने गुलामी, नस्लीय भेदभाव, और लिंगभेद की निंदा की। वे कहते थे कि पैसे हमेशा जेब में होने चाहिए, हृदय में नहीं। मनुष्य को लोभ का त्याग करना चाहिए और सदैव परिश्रम से धन कमाना चाहिए। वे बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। आपके स्वभाव में चिंतनशीलता थी तथा आप एकांतप्रिय थे। आपका मन स्कूली शिक्षा की अपेक्षा साधु-संतों व विद्वानों की संगति में अधिक रमता था। बालक नानक ने संस्कृत, अरबी व फारसी भाषा का ज्ञान घर पर रहकर ही अर्जित किया। इनके पिता ने जब पुत्र में सांसारिक विरक्ति का भाव देखा तो उन्हें पुनः भौतिकता की ओर आसक्त करने के उद्देश्य से पशुपालन का कार्य सौंपा। फिर भी नानकदेव का अधिकांश समय ईश्वर भक्ति और साधना में व्यतीत होता था। नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। कहते हैं कि नानकदेवजी से ही हिंदुस्तान को पहली बार हिंदुस्तान नाम मिला। लगभग 1526 में जब बाबर द्वारा देश पर हमला करने के बाद गुरु नानकदेवजी ने कुछ शब्द कहे थे तो उन शब्दों में पहली बार हिंदुस्तान शब्द का उच्चारण हुआ था- खुरासान खसमाना कीआ हिंदुस्तान डराईआ। एक और घटना है- नानक ग्रीष्म ऋतु की चिलचिलाती धूप में किसी ग्राम में गए। वहाँ वे गर्मी से बेहाल विश्राम करने के लिए बैठ गए। उन्हें कब नींद आ गई पता ही नहीं चला क्योंकि एक बड़े सर्प ने अपना फन फैलाकर उन्हें छाया प्रदान कर दी थी। गाँववाले यह दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए। गाँव के मुखिया ने उन्हें देवस्वरूप समझकर प्रणाम किया। तभी से नानक के नाम के आगे ह्यदेवह्य शब्द जुड़ गया। वे कालांतर में ह्यगुरु नानकदेवह्य के नाम से विख्यात हुए। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। गुरुनानक देव का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। गुरुनानक देव जी ने न केवल शिक्षाएं दीं, बल्कि स्वयं भी इसका पालन किया। उन्होंने करतारपुर साहिब में बिताए अपने जीवन के आखिरी 18 वर्षों में खेतों में हल चला कर यह बताया कि हर इंसान को अपने जीवन में मेहनत करनी चाहिए। एक अन्य रोचक घटना में उनके पिता ने उन्हें गृहस्थ आश्रम की ओर ध्यानाकर्षित करने के लिए तत्कालीन नबाव लोदी खाँ के यहाँ नौकरी दिलवा दी। वहाँ उन्हें भंडार निरीक्षक की नौकरी प्राप्त हुई। परंतु नानक वहाँ भी साधु-संतों पर बेहिसाब खर्च करते रहे। इसकी शिकायत नवाब तक पहुँची तब उसने नानक के खिलाफ जाँच के आदेश दे दिए। परंतु आश्चर्य की बात यह थी कि उस जाँच में कोई कमी नहीं पाई गई। एक बार नानकदेव भ्रमण के दौरान मक्का पहुँचे। वह थकान के कारण काबा की ओर पैर करके सो गए। जब वहाँ के मुसलमानों ने यह दृश्य देखा तो वे अत्यधिक क्रोधित हुए। चमत्कार उस समय घटित हुआ जब लोग उनका पैर जिस दिशा में करते उन्हें उसी दिशा में काबा के दर्शन होते। यह देखकर सभी ने उनसे श्रद्धापूर्वक क्षमा माँगी। गुरु नानक देव ने ह्यगुरुग्रंथ साहबह्ल नामक ग्रंथ की रचना की । यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है । इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन् 1539 ई॰ में अमरत्व को प्राप्त कर गए। श्री गुरुनानक देवजी के सबसे निकटस्थ शिष्य मरदाना को माना जाता है जो कि जाति से मुसलमान थे। आप देखिये नानक देवजी के तप का प्रभाव कि मरदाना ने अपना पूरा जीवन गुरुनानकजी के सेवा में गुजारा। सैकडों साल पुराने सामाजिक सच, आज के सच हों, यह जरूरी नहीं है। अतः सत्य की खोज के लिए गतिशीलता एवं विवेक की अपेक्षा है। उन्होंने परम चक्षु-अंतर्दृष्टि को जगा और श्रेष्ठताओं के संवर्धन हेतु विशिष्ट पराक्रम किया। इसका तात्पर्य यह है कि आध्यात्मिक विकास हेतु विवेकयुक्त पुरुषार्थ की नितांत अपेक्षा रहती है। एक बार कुछ लोगों ने गुरुनानक देव से पूछा कि हमें यह बताइए कि आपके अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान तो गुरु साहिब ने उत्तर दिया, ह्यअवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे, एक नूर से सब जग उपजया कौन भले कौन मंदे।ह्ल यानी सब इंसान ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला भगवान की नजर में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो। इस तरह गुरुनानक देव सच्चे गुरु एवं परमात्मा स्वरूप हैं।

करोड़ों शालेय विद्यार्थी पुस्तकालयीन सेवा-सुविधाओं के अधिकार से वंचित

डॉ. प्रितम भी. गेडाम

जीवन में शिक्षा का स्थान अमूल्य है और शिक्षा में पुस्तकालय का स्थान अतुलनीय है। शिक्षा मनुष्य को जीवन में विश्व के हर क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करके प्रगतिपथ पर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करती है, शिक्षा रूपी प्रकाश मनुष्य के जीवन का अंधकार खत्म करने के लिए है। शिक्षा का आधार पुस्तक होती है और बेहतर पुस्तक का संग्रह पुस्तकालय कहलाते हैं। शाला, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के ज्ञान स्त्रोत केंद्र अर्थात पुस्तकालय शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूर्ण रूप से साकार करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय के बिना शिक्षा केन्द्र अधूरा है। आज हम आधुनिक युग में उन्नत शिक्षा संस्थानों को देखते हैं, पुस्तकों का स्वरूप भी अब डिजिटल और वर्चुअल हो चुका है, दुनिया भर का ज्ञान, अद्ययावत सुचना, पुस्तके, कागजात इंटरनेट के एक क्लिक पर हमें घर बैठे तुरंत प्राप्त होते है। शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र, सरकारी विभाग, निजी संस्थान, समाज में भी पुस्तकालय का विशेष स्थान है। सार्वजनिक पुस्तकालय, शैक्षणिक पुस्तकालय, सरकारी विभाग पुस्तकालय, विशिष्ट विषय संबद्ध पुस्तकालय, निजी

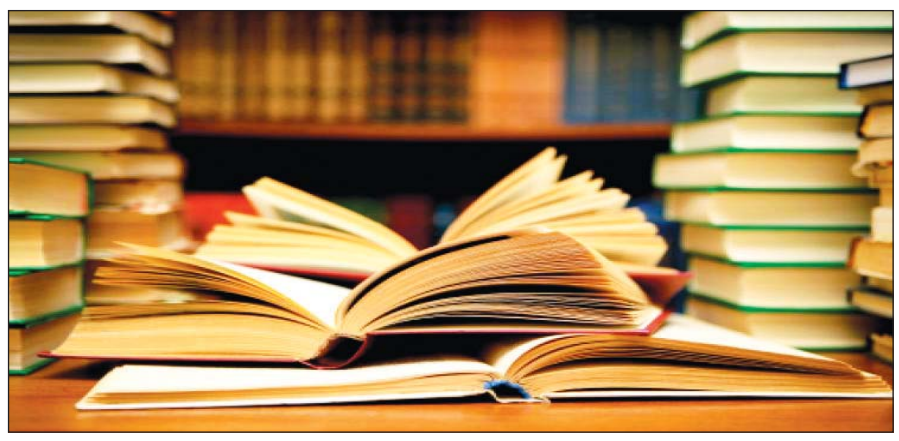

पुस्तकालय ऐसे हमें पुस्तकालय के विविध रूप अंतरराष्ट्रीय से स्थानीय स्तर तक देखने मिलते हैं।

मनुष्य के जीवन की प्राथमिक स्तर की शिक्षा विद्यालय की होती है, जहां जीवन विकास की नींव, नैतिकता, सभ्यता-संस्कार, ज्ञान का बीज बोया जाता है ताकि बड़ा होकर यह हरा-भरा, फलदार वृक्ष की भांति विकसित होकर देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। जिस प्रकार कुम्हार गिली मिट्टी को विशिष्ट रूप देकर उसका आकार बदलकर मूल्यवान बनाता है, उसी प्रकार शालेय शिक्षा विद्यार्थी जीवन में विविध विषयों के ज्ञान के साथ-साथ अच्छी बातें, ईमानदारी, बेहतर इंसान और सुजान नागरिक बनने में, कलागुणों को निखारने का अवसर देती है। शालेय बच्चे बड़े तेजी से विविध विषयों के ज्ञान को आत्मसात करते हैं, जल्दी नई बातें सीख जाते हैं। ऐसे शैक्षिक वातावरण में शिक्षा की ज्ञान रूपी आत्मा अर्थात पुस्तकालय सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाते है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विकसित पुस्तकालय बेहद आवश्यक है।

हम सभी शिक्षा के महत्व को अच्छे से जानते है, भारत सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन भी शिक्षा में लगातार सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहकर नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। शिक्षा समृद्धि के लिए नित नए कार्यक्रम किये जाते है। समग्र शिक्षा अभियान जैसे अनेक प्रेरणात्मक अभियान चलाए जा रहे है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सलन्स जैसे सरकारी शालाये देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षाप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसी प्रकार निजी शिक्षण संस्थानों में भी कुछ स्कूल राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का पालन करके बेहतर प्रदर्शन करते है। यहां उच्च शिक्षित कर्मचारी वर्ग, नियमित पद भर्ती और शालेय सेवा-सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है, पुस्तकालयों के विकास पर भी विशेष नीति-नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता है, निश्चित ही ऐसे स्कूलों से प्रतिभावान विद्यार्थी निकलते है, जो आगे जाकर अपना, स्कूल और देश का नाम रोशन करते है। लेकिन देश में ऐसे शालाओं की संख्या बहुत कम है।

देश के बहुत से राज्यों में शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़ी समस्याएं है, जो विकास में रोड़े के रूप में है। आज भी बहुत से शालाओं में आधारभूत सुविधाएं नहीं है। बिजली, शुद्ध पानी, खेल का मैदान, खेल सामग्री, प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और संपन्न पुस्तकालय का अभाव नजर आता है। कही पद रिक्त पड़े है, कई पदों पर बरसो से भर्ती नहीं, कई पुस्तकालय सामग्री के लिए निधि नहीं तो कही फर्नीचर नहीं, तो कही शालाओं की खंडहरनुमा बदरंग स्कूल भवन और अद्यावत तकनिकी ज्ञान कौशल से अनभिज्ञ कर्मचारी नजर आते है। बड़े शहरों और महानगरों में हालात फिर भी थोड़े ठीक है, पर ग्रामीण क्षेत्रों और दूरदराज के पिछड़े इलाकों में शालेय शिक्षा व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं का अकाल नजर आता है। महाराष्ट्र राज्य सरकार की शालेय शिक्षण विभाग के पोर्टल से प्राप्त जानकारी अनुसार, राज्य के 111879 शालाओं में 20989572 विद्यार्थी अभी पढ़ रहे है। इनमें निजी स्कूल 67842 और निजी अनुदानित (सहायता प्राप्त) शाला 44037 है। इन दोनों प्रकार के स्कूल में कुल 686495 कर्मचारी है, उसमे से टीचिंग 613181 और नॉन टीचिंग कर्मचारी 73314 हैं। महाराष्ट्र सरकार के इसी शालेय शिक्षा और खेल विभाग मंत्रालय का जी.आर. जो 28 जनवरी 2019 को प्रसिद्ध किया गया था, उसमें साफ शब्दों में बताया गया था कि निजी अनुदानित अर्थात सहायता प्राप्त स्कूल में कुल कार्यरत 1600 अंशकालिक लाइब्रेरियन के सेवानिवृत्ति के बाद यह पद समाप्त किये जायेंगे। निजी अनुदानित (सहायता प्राप्त) कुल 44037 शालाओं में से पूर्णकालिक लाइब्रेरियन के केवल 2118 पद ही मंजूर किये गए है, अर्थात दोनों मिलाकर 3718 शालाओं में ही पुस्तकालय कर्मचारी कार्यरत है, यह जीआर के तारीख से लेकर अब तक बहुत से कर्मचारी भी सेवानिवृत्त हुए ही होंगे, तो यह संख्या उससे भी कम हो जाती है। इस हिसाब से महाराष्ट्र राज्य सरकार के 44037 में से निजी अनुदानित स्कूलों के 40319 में पुस्तकालय कर्मचारी कार्यरत नहीं है, या फिर कह सकते है कि पुस्तकालय सेवा-सुविधा ही नहीं है। महाराष्ट्र सरकार ने 1001 से अधिक विद्यार्थी वाले उच्च विद्यालय में ही पुस्तकालयाध्यक्ष पद का नियम बनाया है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि सरकार हर महीने इन शालेय शिक्षकों के तनख्वाह पर तो अरबों रुपया खर्च करती है, लेकिन पुस्तकालय के विकास के बारे में नजरअंदाजी करोड़ों विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन को बुनियादी सेवा सुविधाओं से वंचित कर देती है। महाराष्ट्र राज्य के बहुत कम स्कूलों में पुस्तकालयाध्यक्ष हैं। मैंने बरसों से महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित शालाओं के पुस्तकालय हेतु पद भर्ती नहीं देखी है। यह भी स्पष्ट है कि संबंधित विभाग, प्रशासन, सरकारी अधिकारी स्कूलों में पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति में उदासीन हैं। विभिन्न समितियों और आयोगों की रिपोर्टों, सरकारी निर्णयों आदि के बावजूद आश्चर्य की बात है कि महाराष्ट्र सरकार के पास सरकारी स्कूलों में लाइब्रेरियन नियुक्त करने की कोई नीति नहीं है। पुस्तकालयाध्यक्षों के बगैर आज के शालेय विद्यार्थी अर्थात कल के भावी नागरिकों का भविष्य अंधकार में रहेगा। ऐसी दुखद स्थिति जहां एक लाइब्रेरियन की नियुक्ति केवल उच्च विद्यालयों से जुड़े स्कूलों में ही की जा सकती है, यह दशार्ता है कि सरकार प्राथमिक विद्यालयों में लाइब्रेरियन के साथ पुस्तकालय सुविधाएं प्रदान करने में उपेक्षा कर रही है। और उन विद्यार्थियों का आने वाला कल अर्थात देश का भविष्य डगमगाता नजर आता है। विद्यार्थियों को स्कूल के प्रथम कक्षा से ही पुस्तकालय सेवा सुविधा मिलनी चाहिए। यह बात हुई देश के एक राज्य के सरकारी सहायता प्राप्त शालाओं की, अगर सभी राज्यों की स्थिति देखे तो बुनियादी सुविधाओं से वंचित विद्यार्थियों की संख्या भयावह रह सकती है। ऐसी परिस्थिति में देश की शिक्षा प्रणाली कैसे मजबूत होगी और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास किस बलबूते पर साकार होगा। स्कूल लाइब्रेरी मेनिफेस्टो के अनुसार, हर स्कूल में पूर्णकालिक योग्य लाइब्रेरियन होना चाहिए। स्कूल पुस्तकालय विकास योजना और व्यवस्थापन महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। लाइब्रेरियन की सहायता के लिए पर्याप्त सहायक कर्मचारी नियुक्त किए जाने चाहिए। आम धारणा यह भी है कि भारत में अधिकांश स्कूल पुस्तकालय योग्य पुस्तकालयाध्यक्षों द्वारा नहीं चलाए जाते हैं। जब इन सभी पुस्तकालयों को प्रशिक्षित, कुशल, योग्य पुस्तकालयाध्यक्षों द्वारा संचालित किया जाएगा, तो पुस्तकालयाध्यक्षता का विस्तार, आकार और विद्यालय की स्थिति बदल जाएगी। एक प्रतिबद्ध केंद्र व राज्य सरकार, मजबूत स्कूल लाइब्रेरी एसोसिएशन, स्कूल पुस्तकालयों पर एक राष्ट्रीय नीति, एलआईएस पाठ्यक्रम में स्कूल पुस्तकालयाध्यक्ष को शामिल करना और स्कूल पुस्तकालयों पर एक मजबूत राष्ट्रीय मिशन बनाना चाहिए। देश में ऐसे शालाओं में पुस्तकालय की वास्तविक समस्या और हल क्या हो सकता है हम सभी जानते है। समग्र शिक्षा अभियान की सफलता और सभी शालेय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पदभरती पर अमल करना अत्यावश्यक हैं। प्रत्येक शालेय विद्यार्थी को उसकी बुनियादी सुविधाएं पाना अधिकार है।

प्रदेश सहित कांकेर जिले में धान खरीदी का आज से हुआ आगाज

किसानों को उनकी मेहनत की पाई-पाई का हिसाब देने कृत संकल्पित प्रदेश सरकार आज से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद रही है। जिन किसानों ने आज का टोकन कटाया, वे आज सुबह से ही उपार्जन केंद्रों में ले जाकर धान को बोरियों में भरते, छल्ली मारते और तौल कराते हुए नजर आए। प्रदेश सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदने सहित 31 सौ रुपए की प्रोत्साहन राशि के मान से धान खरीदे जाने पर किसानों के चेहरे पर खुशी और संतुष्टि के भाव परिलक्षित हो रहे हैं। उपार्जन केंद्रों में धान बेचने आए किसानों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि साय सरकार ने पहली बार उनके खून पसीने की कमाई का मोल चुकाया है। उन्होंने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस ऐतिहासिक कार्य के लिए भूरि भूरि सराहना की।

पहली बार किसी सरकार ने माटीपुत्रों का किया सच्चा सम्मान - जिले की नगर पंचायत चारामा स्थित कृषि उपज मंडी में आज सुबह 9.00 बजे से ही धान बेचने वाले किसानों का तांता लग गया। वहां पर धान बेचने आए चारामा विकासखण्ड के ग्राम जैसाकर्रा के 58 वर्षीय किसान श्री राजेंद्र साहू ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार 31 सौ रुपए में किसानों से धान खरीद रही है यह माटीपुत्रों का सच्चा सम्मान है। इतने सालों की किसानी में पहली बार धान के एक-एक दाने का मोल चुकाने वाली साय सरकार ने सही मायने में किसानों का दर्द पहचाना है। इसी तरह ग्राम दल्लीडीह से आए युवा किसान श्री जगदीश राम साहू ने खुशी-खुशी बताया कि वे पहले ही दिन आज मंडी में 25 क्विंटल धान बेचने आए हैं और इसके एवज में एकमुश्त पैसा मिलेगा जिसका

उपयोग खेत के सुधार कार्य में लगाएंगे। इसी मंडी में ग्राम चारभाटा से आई महिला किसान श्रीमती गोदावरी साहू ने भी कहा कि 31 सौ रुपए मिलने से उनके बहुत से पारिवारिक जरूरतों के काम पूरे हो जाएंगे। समिति प्रबंधक ने बताया कि चारामा मंडी में आज पहले दिन धान बेचने के लिए 31 किसानों को टोकन ऑनलाइन प्राप्त हुआ है।

किसी सपने को साकार करने जैसा है 3100 रूपए में धान बेचना- श्री सोनसाय-भानुप्रतापपुर ब्लॉक के कोरर धान उपार्जन केंद्र में ग्राम रानवाही से आए किसान श्री सोनसाय ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि उनके पास 06 एकड़ खेत है और आज 95 कट्टा धान बेचने कोरर मंडी में आए हैं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे ने ऑनलाइन टोकन ले लिया था और पहले दिन के लिए टोकन मिल गया। श्री सोनसाय ने कहा- ह्यह्य31 सौ रुपए क्विंटल में धान बेचना किसानों के लिए किसी सपने के जैसा है, जिसे साय सरकार ने पूरा किया है ह्यह्य इसी मंडी में धान बेचने आए किसान श्री पूरण सिंह नायक, रामचरण कुंजाम, गुड्डी बाई और सुमित्रा साहू ने भी किसानों की दशा और दिशा संवारने के क्षेत्र में प्रदेश सरकार का अब तक का सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक कार्य बताया। उक्त समिति में धान बेचने आज प्रथम दिवस 10 किसानों को टोकन मिला था। इसी तरह कांकेर ब्लॉक के ग्राम मरकाटोला लैंपस में धान बेचने आए 59 वर्षीय किसान श्री कंसलाल रावटे ने बताया कि उनकी 13 एकड़ की खेती है और आज वे अपना धान बेचने आए हैं। उन्होंने साय सरकार द्वारा 31 सौ रुपए में धान खरीदने के लिए आभार जताया। इसी मंडी में ग्राम बाबूदबेना से धान बेचने आईं श्रीमती प्रभा बाई गंवर ने कहा कि समिति में अच्छी व्यवस्था के साथ आज से धान खरीदी शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि वह 103 क्विंटल धान बेचने आई है और इस राशि को भविष्य के लिए बचत करने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी प्रकार कांकेर के ग्राम बारदेवरी के बुजुर्ग किसान श्री बृजलाल कवाची ने बताया कि 06 एकड़ खेत का 100 कट्टा धान बेचने आए हैं और 3100 रुपए में धान खरीदने के सरकार के इस अभूतपूर्व कदम के लिए प्रदेश सरकार का आभार प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि देश के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने ह्यमोदी की गारंटीह्ल के तहत किसानों से 31 सौ रुपए के मान से धान खरीदने की घोषणा 2023 में की थी, जिसके तहत आज से प्रदेश भर में उत्सवपूर्ण वातावरण में किसानों से धान खरीदा जा रहा है। कलेक्टर श्री निलेश महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिले के सभी 149 धान उपार्जन केन्द्रों में आज से धान की खरीदी प्रारम्भ हो चुकी है। सभी केन्द्रों में नापतौल मशीन, कांटा-बांट, बारदाने तथा औजारों आदि की विधिवत पूजा-अर्चना करके धान खरीदी शुरू की गई। शासन द्वारा किसानों के बैंक खातों में राशि एकमुश्त अंतरित की जाएगी।

सुकमा में जनजातीय इतिहास और संस्कृति पर विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

■ जनजातीय गौरव दिवस पर छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 15 नवंबर। छत्तीसगढ़ सरकार के आदिवासी जाति विकास विभाग ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राज्य भर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश जारी किए हैं। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन में यह आयोजन 15 नवंबर 2024 को जिला मुख्यालय सुकमा के स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति केन्द्र परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को सम्मानित करना है।

15 से 26 नवंबर तक होंगे विशेष कार्यक्रम: आयोजन की शुरुआत 15 नवंबर से सुकमा जिले के तीनों विकास खण्डों के छात्रावासों और आश्रमों में संगोष्ठी, प्रदर्शनी, खेल प्रतियोगिताएं, स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के साथ होगी। यह आयोजन 26 नवंबर तक चलेगा। इसके तहत छात्रों के लिए विशेष सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनसे जनजातीय गौरव और संस्कृति का आयोजन होगा।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा: जनजातीय समाज के योगदान को चिन्हित करने और उनका सम्मान करने हेतु 15 नवंबर को सुकमा जिले के तीनों विकास खण्डों के हर ग्राम में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इन सभाओं में जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान को प्रस्तुत और सम्मानित किया जाएगा।

साक्षरता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम: जनजातीय बच्चों और महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु 25 नवंबर को विशेष साक्षरता और स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन होगा। इनमें स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी शामिल रहेंगे, ताकि जनजातीय समाज में स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

जनजातीय इतिहास और संस्कृति पर विशेष सत्र: जनजातीय इतिहास और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य और जिला स्तर पर संगोष्ठी, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों से जनजातीय समाज के गौरवपूर्ण इतिहास को समझने और साझा करने का अवसर मिलेगा।

अधिकारियों से सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह: सुकमा जिले के तीनों विकास खण्ड सुकमा, कोन्टा और छिंदगढ़ के सभी खण्ड स्तरीय अधिकारियों से निर्देशित किया गया है कि वे इन कार्यक्रमों में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करें।

एक नजर

बस्तर विधायक ने किया ईच्छापुर-2 में अलेख महिमा मंदिर का उद्घाटन

जगदलपुर, 15 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्राम पंचायत ईच्छापुर-2 में अलेख महिमा के माता बहनें एवं सदस्यों द्वारा ग्राम चौक में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल का नाच-गान नृत्य के साथ तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। आश्रम से आये बाबाओं की चरण स्पर्श कर बस्तर विधायक ने लोगों की सुख समृद्धि एवं मंगलकामना की आशीर्वाद प्राप्त किया अलेख महिमा के साथ दिव्य प्रवचन देकर बाबा ने समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा की महात्मा भीम भोई के शिष्य बाबा उदयनाथ ने काडसर के जंगल में एक कुटिया बनाकर छत्तीसगढ़ में इस पंथ का विस्तार किया था आज बाबा उदयनाथ गौ सेवक के रूप में विख्यात हैं उनका आश्रम अलेख महिमा गौशाला के रूप में विकसित हुआ है। श्री बघेल ने कहा की पंथ के प्रमुख बाबा उदयनाथ जी कहते हैं की 1998 में इसकी शुरुआत 20 से 30 लोगों के साथ हुई थी निराकार शून्य की आराधना करने वाला यह पंथ योग साधना और संतुलित आहार पर केंद्रित है आज समूचे बस्तर जिला के साथ-साथ दूसरे जिला एवं राज्यों में भी लोग अपनी आस्ता रखते हुए बड़ी संख्या में लोग बाबाओं की प्रेरणा से प्रेरित हो रहे हैं।

जन्म-मृत्यु पंजीयन के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

सुकमा, 15 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने जिले में चल रहे जन्म-मृत्यु कार्य की समीक्षा करते हुए नवीन सॉफ्टवेयर के माध्यम से समय-सीमा के भीतर शत प्रतिशत पंजीयन एवं शासन से प्राप्त निर्धारित लक्ष्य को पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी नरेन्द्र कुमार नेताम ने बताया कि वर्तमान में नवीन पोर्टल अनुसार जिले के समस्त 270 पंजीयन इकाईयों ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका एवं समस्त शासकीय अस्पताल में जन्म-मृत्यु पंजीयन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जिले में जन्म-मृत्यु पंजीयन का कार्य जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 संशोधित अधिनियम 2023 एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के तहत् किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत प्रत्येक जन्म-मृत्यु की घटना का पंजीयन 21 दिवस के भीतर निशुक्ल कराया जा सकता है। उन्होंने आगे विलम्ब पंजीयन प्रकिया से अवगत कराया कि 22वें दिन से 30 दिन के भीतर मात्र 2 रूपये शुल्क देकर पंजीयन कराया जा सकता है। इसी तरह 31वें दिन से 365 दिन अर्थात 1 वर्ष के अंदर पंजीयन कराये जाने पर घर में जन्म या मृत्यु होने पर ग्राम पंचायत के सचिव, अस्पताल में जन्म या मृत्यु होने पर अस्पताल के डॉक्टर, नगर क्षेत्र सीमा में जन्म या मृत्यु होने पर नगर पालिका अधिकारी को सूचना देकर अनुपलब्धता प्रमाण पत्र प्राप्त कर साथ में लाभार्थी द्वारा एएनएम, एमपीडब्ल्यू, हेडमस्टर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र देकर मात्र 5 रूपयें जमा कर पंजीयन करा कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है।

डंकनी नदी, दंतेश्वरी सरोवर और संगम तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की अपार भीड़

कार्तिक पूर्णिमा पर डंकिनी नदी व संगम तट पर श्रद्धालुओं ने किया पुण्य स्नान व दीपदान

■ स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मांई दंतेश्वरी के किए दर्शन-पूजन

■ संगम तट पर 12 घंटे ओम नमः शिवाय का हुआ जाप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 15 नवंबर। कार्तिक पुर्णिमा के पावन अवसर पर आज भोर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम एवं डंकनी नदी के तट पर पहुंच आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य स्नान कर दीपदान किया। कार्तिक स्नान व दीपदान पश्चात माई दंतेश्वरी के मंदिर पहुंच श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव के साथ माता के दर्शन पूजन कर परिवार में सुख शांति व समृद्धि की कामना की। संगम तट पर दिव्य जीवन संघ गुमरगुंडा के अनुयायियों द्वारा 24 घंटे का ओम नमः शिवाय का जाप व हवन अनुष्ठान किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर्व हिन्दुओं के लिए खासा महत्वपूर्ण है। आज के दिन दीपदान, स्नान, दान, होम, यज्ञ, उपासना आदि का विशेष महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा के पुण्य अवसर पर आज सूर्योदय से पूर्व उठकर श्रद्धालुओं ने डंकनी नदी घाट, दंतेश्वरी सरोवर व संगम तट पर पहुंच पवित्र स्नान कर कटहल एवं केले के पत्ते के डंठल का दिया बनाकर दीपदान किया। डंकनी नदी एवं संगम तट पर दीपदान एवं स्नान के लिये अल सुबह लोगों की अपार भीड़ उमड़ी थी जिसमें महिलाओं की संख्या काफी ज्यादा थी। सुबह की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में महिला, पुरूष एवं बच्चे नदी घाट पहुंच स्नान करते रहे। पुण्य स्नान पश्चात श्रद्धालु माई दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचे, जहां गरीबों को रूपए, वस्त्र व अन्न दान किया। तत्पश्चात माता के दर्शन पूजन कर आर्शीवाद लिया। महिलाएं कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर व्रत भी रखती हैं। कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर आज सुबह माई दंतेश्वरी मंदिर, शनि मंदिर, शिव मंदिर व हनुमानजी के मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। देवी देवताओं के दर्शन कर लोगों ने परिवार में सुख शांति व निरोग बने रहने का आर्शीवाद मांगा। गुमरगुंडा के शिव मंदिर, समलूर मंदिर, एवं बारसूर स्थित अनेक मंदिरों व शिवालयों में भी कार्तिक पुर्णिमा पर विशेष पूजा संपन्न हुआ जिसमें दूर दराज क्षेत्रों से भारी तादात में श्रद्धालु शामिल होने पहुंचे।

कार्तिक स्नान से कटते हैं सारे पाप, मिलता है पुण्य

ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पुर्णिमा के दिन गंगा स्नान, दीपदान, हवन, यज्ञ दान आदि करने से सांसारिक पाप और ताप का शमन होता है साथ ही विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। आज ही के दिन सायंकाल भगवान विष्णु का मत्स्यावतार हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक दैत्य का वध किया था, इसलिए इसे त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन ब्रम्हाजी का ब्रम्हसरोवर पुष्कर में अवतरण भी हुआ था। कार्तिक स्नान को शास्त्रों में काफी शुभ माना गया है। ऐसी मान्यता है कि आज के दिन सूर्योदय से पूर्व नदी, सरोवर व कुण्ड में स्नान करने से मनुष्य के पिछले सारे पाप कट जाते हैं। सिक्ख समुदाय में कार्तिक पूर्णिमा को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरू नानक देव का जन्म हुआ था। आज के दिन सिख अनुयायी सुबह स्नान कर गुरूद्वारों में जाकर गुरूवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

संगम तट पर संकीर्तिन व हवन यज्ञ संपन्न- प्रतिवर्षानुसार इस बार भी पवित्र कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर शिवानंद आश्रम, दिव्य जीवन संघ शाखा-गुमरगुण्डा के अनुयायियों द्वारा डंकनी-शंखनी नदी के संगम तट पर 12 घंटे का अखंड संकीर्तन और ओम नमः शिवाय के जाप का आयोजन किया गया। जिसमें तुमनार, बारसूर, कटेकल्याण, बचेली, मोफलनार, सुरोखी, गुमलनार, हीरानार, घोटपाल, कुण्डेनार, कुपेर, चितालंका, हीतामेटा, गीदम व बारसूर क्षेत्र से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। गुरूवार शाम 6 बजे से संगम तट पर ओम नमः शिवाय का जाप शुरू किया गया जो आज सुबह 6 बजे समापन हुआ। कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने ब्रम्ह मुहुर्त में पवित्र संगम में डुबकी लगाई और पुण्य स्नान कर दीपदान किया। गंगा आरती उपरांत सुबह 8 बजे संगम तट हवन यज्ञ अनुष्ठान हुआ। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और यज्ञ कुण्ड में आहुति डाली। हवन अनुष्ठान पश्चात श्रद्धालुओं को भण्डारा प्रसाद का भी वितरण किया गया। गुमरगुण्डा स्थित शिवानंद आश्रम के स्वामी विशुद्धानंद सरस्वती जी ने बताया कि पिछले करीब 12 वर्षो से कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर संगम तट पर यह आयोजन किया जा रहा है और यह निरंतर आगे भी जारी रहेगा। इसी संदर्भ में आज कार्तिक पुर्णिमा के अवसर पर संगम तट पर संकीर्तन पाठ व हवन अनुष्ठान का कार्यक्रम किया गया है। इस शुभ अवसर पर स्वामी विशुद्धानंद सरस्वती जी ने लोगों को कुरीतियां त्याग कर अच्छे आचरण को अपनाने की सलाह दी।

किरणदेव ने पल्ली केन्द्र में पूजा कर किया धान खरीदी का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 15 नवंबर। जिले के जगदलपुर विकासखण्ड अंतर्गत पल्ली धान उपार्जन केंद्र में स्थानीय विधायक किरणदेव के द्वारा पूजा-अर्चना कर खरीदी का शुभारंभ किया गया। साथ ही धान विक्रय करने आए अन्नदाता किसानों का फूलमाला से स्वागत किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सहित कृषक व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। इस दौरान विधायक किरणदेव ने खरीदी केन्द्र में कृषकों के लिए विभिन्न सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। गुरुवार को पूरे प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में घोषित धान के समर्थन मूल्य रुपए 2300 (मोटा धान) और रुपए 2320 (पतला धान) के अनुसार छत्तीसगढ़ में 14 नवम्बर से धान खरीदी प्रारंभ हुआ है।

जिले में कुल 79 उपार्जन केंद्रों में पंजीकृत कृषकों से धान खरीदी किया जाना है। इस वर्ष लघु एवं सीमांत कृषकों को दो टोकन और बड़े कृषकों को तीन टोकन का प्रावधान है। टोकन ऑफ्लाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से किसानों को प्रदान किया जा रहा है। कृषक ऐप टोकन तुँहर हाथ के मध्यम से भी कृषक स्वयं टोकन जारी कर सकते हैं। सभी उपार्जन केंद्रों में इलेक्ट्रॉनिक कांटा, मॉइस्चर मीटर, बॉयोमेट्रिक डिवाइस उपलब्ध है। सभी केंद्रों में नये और पुराने बारदानों की पूरी व्यवस्था की गई है। कृषकों की सुविधा हेतु सभी उपार्जन केंद्रों में छाया और पेयजल, शौचालय तथा बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उपार्जन केंद्रों में स्थानीय निगरानी समिति स्थापित है जो कृषकों की समस्या का निराकरण करेगी। गुरुवार को जिले के 42 उपार्जन केंद्रों में विधिवत रूप से 46 कृषकों का सम्मान के साथ धान खरीदी प्रारंभ की गई। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बायोमेट्रिक सत्यापन के द्वारा धान खरीदी किया जाना है,अपरिहार्य स्थिति हेतु ट्रस्टेड पर्सन की नियुक्ति भी की गई है।

सुकमा जिले में धान खरीदी प्रारंभ, पहला टोकन किसान माड़वी दुला का 30 क्विंटल का

प्राप्त राशि से ट्रैक्टर की किस्त देने में मिलेगी मदद : माड़वी

■ इस विपणन वर्ष 1654 कृषकों का नया पंजीयन, सीईओ नम्रता जैन ने किया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण, लिया व्यवस्था का जायजा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 15 नवम्बर। सुकमा जिला में गुरुवार को इस विपणन वर्ष 2024-25 की पहली धान खरीदी की गई। सुकमा जिला मुख्यालय स्थित धान उपार्जन केन्द्र में अन्नदाता माड़वी डुला ने कांटा बाट की विधिवत पूजा अर्चना कर धान खरीदी प्रारंभ की गई। सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन ने किसान माड़वी दुला का पुष्पहार से स्वागत किया। इस वर्ष धान का पहला टोकन माड़वी डुला का रहा, जिन्होंने 30 क्विंटल धान विक्रय हेतु टोकन लिया था। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष डमरू नाग, झापरा सरपंच बारसे जोगा, समिति प्रबंधक मनीष कुमार बागड़े जनप्रतिनिधिगण सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राप्त राशि ट्रेक्टर के किस्त देने में मिलेगी मदद: ग्राम पंचायत पुसपल्ली ग्राम मंगीपाल निवासी माड़वी दुला पिता जोगा ने प्रथम टोकन करने पर खुशी जाहिर की, उन्होने बताया कि लगभग 2.50 एकड़ में धान की खेती किया था। आज धान का खरीदी प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ हो गई और मैने लगभग 30 क्विंटल धान का विक्रय किया। प्राप्त धन राशि को अपनी टेक्टर की किस्त और आवश्यकता अनुसार खर्च करूंगा। समर्थन मुल्य में 3100 रुपये में धान खरीदने पर

प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया।

समिति प्रबंधन द्वारा आवश्यक व्यवस्था पर जताई खुशी: इसी प्रकार किसान ग्राम भेलवापारा निवासी लच्छु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में समय में धान खरीदी प्रारंभ करने पर खुशी जाहिर की और कहा कि लैम्पस में समिति प्रबंधन द्वारा धान विक्रय हेतु किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था की गई है। सीईओ जिला पंचायत ने किया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण, लिया व्यवस्था का जायजा- कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन ने सुकमा स्थित धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने खरीदी केंद्र में किए गए आवश्यक व्यवस्थाओं, धान खरीदी की दरों, पंजीकृत किसानों की संख्या, फड़ की व्यवस्था का जायजा लिया और धान खरीदी के लिए समितियों में की गई तैयारियों से संतुष्टि जताई।

जिला खाद्य अधिकारी जयवर्धन ठाकुर ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु जिले के 1654 कृषकों का नवीन पंजीयन हुआ है। कुल 18 हजार 422 किसानों द्वारा 45 हजार 621.805 हेक्टेयर भूमि पर धान की फसल ली गई है। इस वर्ष जिले में 24 धान उपार्जन केन्द्र के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। प्रशासन द्वारा केन्द्रों पर समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। धान खरीदी केंद्र सुकमा सहित तोंगपाल एवं पुसपाल केंद्र में गुरूवार को खरीदी की गई।

जिला विपणन अधिकारी चेतन आनंद ने बताया कि धान खरीदी के लिए जिले में बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। कांटा-बांट, कम्प्यूटर, नमी मापक यंत्र सहित अन्य आवश्यक सामग्री का सत्यापन कर लिया गया है। धान खरीदी के दौरान धान के अवैध परिवहन, भंडारण और व्यापार पर नियंत्रण के लिए भी सभी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

समाचार संक्षेप

भाकपा की बैठक में पंचायत व निकाय चुनाव पर की गई चर्चा

दंतेवाड़ा, 15 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद का बैठक दिनांक 14 नवम्बर 2024 को धनिकरका का नया पंचायत दुवालिकरका में सिनियर कामरेड माड़का राम सोढ़ी कि अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ बैठक मे पार्टी संगठन एवं होने वाले नगरीय निकाय चुनाव व पंचायत चुनाव से संबंधित मुद्दो पर चर्चा किया गया है। दिनांक 20 नवम्बर को कटेकल्याण ब्लाक व कुआकोण्डा ब्लाक का अति-आवश्यक बैठक किरन्दुल शारवा एसकेएमएस भवन में आहुत किया गया है साथ ही कांग्रेस पार्टी के जन विरोधी खोखला विचारो से तंग आकर जनपत सदस्य जोगा कुंजाम पुनः घर वापसी सीपीआई पार्टी का सदस्यता ग्रहण किया है। सभी साथियों ने लाल गमछा पहनाकर सुवागत किया है। आज के इस बैठक में प्रमुख जिला प्रभारी के साजी, जिला सचिव चमनलाल कुंजाम, जिला सहायक सचिव बहिलोचन श्रीवास्तव,अखिल भारतीय नौजवान सभा अध्यक्ष जितेन्द्र सोरी, सचिव रामलाल नेगी, जंगमपाल से माड़का राम सोढ़ी, शुक्राम मरकाम, बुधराम वेक,शोना राम,जोगा कुंजाम,बिरेन्द्र भास्कर,बोडडा राम, एवं अन्य जिला परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र में सरसों बीज और जैविक खाद का किसानों को किया जा रहा वितरण

सुकमा, 15 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तिलहन पर क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आईसीएआर संस्थान और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों केवीके के वैज्ञानिकों की गहन निगरानी में आयोजित किए जाते हैं। तिलहन पर क्लस्टर फ्रंटलाइन प्रदर्शन कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग भारत सरकार द्वारा विभिन्न तिलहन फसलों पर नई जारी फसल उत्पादन एवं सुरक्षा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। क्लस्टर फ्रंट-लाइन प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों और खेती की स्थितियों के तहत किसानों के खेतों में नई जारी फसल उत्पादन और सुरक्षा प्रौद्योगिकियों और इसके प्रबंधन प्रथाओं का प्रदर्शन करना है। इस प्रदर्शन कार्यक्रमके अंतर्गतदिनांक 14 नवम्बर 2024कृषि विज्ञान केन्द्र सुकमा (मुरतोण्डा) के वैज्ञानिकों ने ग्राम पंचायत कांजीपानी में सरसों की उन्नत खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया साथ ही विकास खंडछिंदगढके विभिन्न गांवों में जैसे पुसपालधोबनपाल और पुजारीपालमें तिलहन समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के अंतर्गत सरसों की 150-35 किस्म के साथ साथ जैविक खाद जैसे पी.एस.बी कल्चर एवंएजोस्पर्लियमका वितरण केंद्र के क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद कश्यप और डॉ. योगेश कुमार सिदार द्वारा किया विदित हो कि इस वर्ष केंद्र द्वारा 200एकड़ में तिलहन पर क्लस्टर फ्रंट लाइन प्रदर्शन कार्यक्रम किया जा रहा है।

बस्तर ओलंपिक : खेलों का सफल आयोजन, युवाओं में उत्साह

सुकमा, 15 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बस्तर ओलंपिक 2024 के अंतर्गत सुकमा जिले में आयोजित विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक जारी है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन के मार्गदर्शन में सुकमा, छिंदगढ़ और कोंटा विकासखंडों में 10 नवंबर से 15 नवंबर 2024 के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

■ बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हुए सम्मानित

बस्तर ओलम्पिक खेल महोत्सव में कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, एथलेटिक्स, लंबी कूद, ऊंची कूद, रस्साकसी (महिला वर्ग), बैडमिंटन, कराटे, फुटबॉल, तवा फेंक, गोला फेंक, भाला फेंक और तीरंदाजी जैसे खेल शामिल किए गए हैं। इन खेलों में युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों ने बड़े उत्साह के साथ भागीदारी की है। विकासखंड स्तर विभिन्न प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी ने सभी खिलाड़ियों को खेलों में शामिल होने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने खेलों के महत्व का बताते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए नियमित रूप से खेलों में भाग लेना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारते हैं, साथ ही मानसिक रूप से भी हमें मजबूत बनाते हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि खेल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि जीवन में बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखा जा सके। इस दौरान खेल अधिकारी वीरूपाक्ष पौराणिक ने जानकारी दी कि तीनों विकासखंडों से कुल 6,795 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें सुकमा विकासखंड से 2,614, कोंटा विकासखंड से 2,311 और छिंदगढ़ विकासखंड से 1,870 प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इसमें युवा वर्ग, महिलाएं और नागरिक पूरे जोश के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य बारसे माड़े, अध्यक्ष जनपद पंचायत सुकमा आयते कलमू, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डमरू नाग अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित संयुक्त कलेक्टर सूरज कश्यप, सीईओ जनपद पंचायत सुकमा सुश्री मधु तेता सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि बस्तर ओलंपिक का आयोजन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जा रहा है। जिसका उद्देश्य बस्तर क्षेत्र के युवाओं को खेल प्रतिभा के माध्यम से मुख्यधारा में जोड़ना और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना है।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का हुआ शुभारंभ

कहीं शाल और श्रीफल से तो कहीं फूलमाला एवं मिठाई से किसानों का किया स्वागत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 15 नवम्बर। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के अंतर्गत आज धान खरीदी की शुभारंभ हो गई है। बीजापुर जिले के सभी केन्द्रों में किसानों की चहल-पहल दिख रही है। धान खरीदी की व्यापक तैयारियां कर धान बेचने आए किसानों का स्वागत फूल माला मिठाई, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर किया गया।

कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने उसूर ब्लॉक के आवापल्ली धान खरीदी केन्द्र का निरीक्षण कर किसानों से आवश्यक चर्चा की। वहीं धान खरीदी सुचारु रुप से संचालित करने व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। धान खरीदी केन्द्र में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो इसका पूरा ध्यान रखने शासन के निर्देशों एवं नियमों के अनुरुप धान खरीदी करने के निर्देश दिए। जिले में 30 उपार्जन केन्द्रों में आज धान खरीदी का शुभारंभ हो गया है धान खरीदी सुव्यवस्थित ढंग संचालित करने जिला स्तर के नोडल अधिकारी एवं एसडीएम

द्वारा धान खरीदी केन्द्रों का जायजा लिया जा रहा है।

रुद्रारम धान खरीदी केन्द्र में एसडीएम भोपालपटनम द्वारा धान बेचने आए किसानों को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर स्वागत किया एवं फूलमाला पहनाकर मिठाई खिलाया गया। इसी तरह सभी केन्द्रों में किसानों का स्वागत अभिनंदन किया गया। जिससे किसान बहुत प्रसन्न नजर आ रहे है। और धान खरीदी की शुभारंभ से जिले के किसानों में उत्साह दिखाई दे रहा है।

पापनपाल धान खरीदी केन्द्र में किसान पांडू राम अल्लूर ने बताया धान खरीदी के पहले दिन धान बेचने आया हूँ। धान खरीदी केन्द्र की व्यवस्था देख बहुत अच्छा लगा। किसानों का आत्मीयतापूर्वक स्वागत से बहुत खुशी हुई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किसानों से 3100 रुपए में धान खरीदी की जा रही है। जिससे हम सभी किसान बहुत खुश है। वहीं प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान के खरीदी से किसानों के मेहनत का पूरा लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार के इस संवेदनशील पहल से जिले के किसानों में उत्साह है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के इस पहल के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

वहीं पापनपाल के किसान मनोज कुमार आरकी ने बताया कि खरीदी केन्द्र में पहले दिन धान बेचने आया हूँ मेरा स्वागत फूल माला और मिठाई खिलाकर किया। मुझे बहुत खुशी हुई वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत धान खरीदी केन्द्र में व्यापक व्यवस्था किसानों को सहूलियत होगी। धान का मूल्य 31 सौ रुपये बढ़ाने से एवं प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने से किसानों में बहुत खुशी है। मैं भी बहुत हर्ष के साथ मुख्यमंत्री का आभारी हूँ। बीजापुर धान खरीदी केन्द्र में किसान एकैय्या ककेम ने धान बेचकर अपना खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 31 सौ रुपए में धान बेचने से हम किसानों का मेहनत का फल मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को दे रहे है जिसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ।

एक नजर

स्वच्छता सर्वेक्षणः पालिका शहर में चला रही विशेष सफाई अभियान

महासमुंद 15 नवंबर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 को ध्यान में रखते हुए महासमुंद पालिका प्रशासन द्वारा शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार सुबह मुख्य नगर पालिका अधिकारी विजय पाण्डेय ने नगर पालिका द्वारा संचालित तुमाडबरी, दलदली, खरोरा एसएलआरएम सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण कर डोर टू डोर कचरा संग्रहण की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अमले के साथ उप अभियंता अमन चन्द्राकर, प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक दिलीप चन्द्राकर, एवं स्वच्छ भारत मिशन के नौशाद बक्श मौजूद थे। एसएलआरएम सेंटर में एकत्रित कर कचरों का पृथकीकरण के बाद सूखे कचरे से प्राप्त पॉलीथीन को बेलिंग मशीन से बंडल बनाकर निष्पादन किया जा रहा है। इसी तरह गीले कचरो का पृथकीकरण के बाद एसएलआरएम सेंटर में खाद बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि पालिका प्रशासन द्वारा संचालित एसएलआरएम सेंटरों में संपूर्ण पालिका क्षेत्र से भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को वहां एकत्रित करने के बाद सभी तरह के गीले एवं सूखे कचरे को अलग अलग किया जाता है। गीले कचरों को पृथक करने के बाद जैविक खाद बनाया जाता है।

सुकमा 15 नवंबर। जिला मुख्यालय के पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में पैसा डालने से फस जा रहा है बैंक में शिकायत करने से कई दिन लग जा रहा है पैसे खाते में वापस आने एक सप्ताह लग रहा है ज्यादा समय भी लग सकता है बोल रहे हैं शासन प्रशासन को इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत है आम जनता से जुड़ा हुआ है।

बाल दिवस पर पत्रकार रोकड़ दंपति ने प्राथमिक शाला गोरना में बच्चों को कराया न्यौता भोज

- स्वादिष्ट भोजन, फल का वितरण कर बच्चों को दिए आकर्षक उपहार
- बच्चों के बीच खेल गतिविधियों का आयोजन कर विजेता बच्चों को दिया पुरस्कार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 15 नवंबर। छत्तीसगढ़ शासन के महत्वाकांक्षी योजना न्यौता भोज का आयोजन करने हेतु जिले के कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने अधिकारी-कर्मचारियों, समाज सेवी संस्था एवं गणमान्य नागरिकों से आग्रह किया था जिसका सकारात्मक परिणाम अब स्कूलों में दिखने लगा है। जिले के धुर माओवाद प्रभावित क्षेत्र गोरना के प्राथमिक शाला में श्रीमती पुष्पा रोकड़े एवं उनके पति श्री नितिन रोकड़े द्वारा न्यौता भोज का आयोजन किया जिसमें स्कूली बच्चों को स्वादिष्ट भोजन

के रूप में पुड़ी, सब्जी, पकौड़ा, मिक्स वेज, दाल, चांवल खिलाया वहीं मिठाई के रूप में जलेबी एवं केला तथा बिस्कीट पाकेट दिया। न्यौता भोज में स्वादिष्ट भोजन के अलावा सभी बच्चों को उपहार के रूप में टिफिन बॉक्स भी प्रदान किया एवं स्कूल में बच्चों के साथ खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें जलेबी दौड़ ऊंची कूद 100 मीटर दौड़, में विजेता प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को टिफिन बाक्स प्लेट एवं वाटर बाक्स दिया गया। न्यौता भोज के आयोजन से प्रेरित होकर जिले के व्यापारी एवं समाजसेवी श्री राजू गांधी ठंड के मौसम को देखते हुए सभी बच्चों को गर्म कपड़े, जैकेट प्रदाय किया। इस पूरे गतिविधियों का बच्चों ने भरपूर आनंद लिया और न्यौता भोज का आयोजन करने पर रोकड़े दंपति को भी प्रेमपूर्वक धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान एपीसी श्री जाकिर खान, पीपीई फैलो सुश्री दिव्या नेगी, डॉ. जोशी एवं उनके टीम सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्तागण भी उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय में फायर मेन एवं नगर सेना की टीम ने अग्निशमन यंत्र के उपयोग का दिया प्रशिक्षण

बीजापुर 15 नवंबर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के समस्त आवासीय विद्यालयों में अग्निशमन यंत्र का उपयोग करने आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण नगर सेना के टीम द्वारा दी जा रही है। इसी क्रम में कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय बीजापुर में उपस्थित छात्राओ एवं शिक्षिकाओं को आग लगने पर अग्निशमन यंत्र का उपयोग करने और बड़ी दुर्घटना से बचने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें शिक्षिकाओं सहित संस्था के कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र का उपयोग कर प्रायोगिक तौर पर प्रशिक्षण हासिल की। अग्निशमन कार्यालय से फायर मेन नरेंद्र जव्वा, विकास रंगू, लक्की पटले एवं सैनिक आनंद सोढ़ी, धनंजय जंगटी, मोहन ताती, मंगल रोटेल, कृष्णा पुजारी सहित संस्था की शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं छात्राएं उपस्थित थे।

ग्रामीण खेल प्रतिभा को निखारने बस्तर ओलंपिक खुला मंचःमनोज कड़ती

बीजापुर 15 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के पहल से आयोजित बस्तर ओलंपिक से बीजापुर जिले के अंदरुनी माओवाद क्षेत्रों के खिलाड़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है इस तरह के आयोजन से युवा मुख्य धारा से जुड़कर अपने सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर होते नजर आ रहे। उसूर ब्लॉक के सुदूर गांव मारुड़बाका के खिलाड़ी मनोज कड़ती ने बस्तर ओलंपिक में शामिल होकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि बस्तर ओलंपिक हमारे जैसे सुदूर क्षेत्रों के खिलाड़ियों के प्रतिभा को निखारने खुला मंच दिया है। इस तरह के आयोजन से ग्रामीण खेल प्रतिभा निखरकर बाहर आएगी। उसूर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बस्तर ओलंपिक खेल प्रतियोगिता अत्यंत सुदूर क्षेत्र मारुड़बाका, पामेड़, पुजारी कांकेर, फुतकेल जैसे दर्जनों गांवों के सैकड़ों खिलाड़ी पूरे जोश और उमंग के साथ खेल प्रतियोगिता में भाग ले रहे है। जिला प्रशासन एवं कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश पर खिलाड़ियों के रहने, खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की गई है। व्यवस्था एंव प्रबंधन लेकर भी खिलाड़ी काफी खुश नजर आ रहे है। बस्तर ओलंपिक में शामिल खिलाड़ियों का कहना है कि बीजापुर के युवाओं में खेल प्रतिभा बहुत है। केवल सही मंच की आवश्यकता है जो बस्तर ओलंपिक हमे प्रदान कर रहा है। बीजापुर के युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का जौहर दिखा चुके हैं। इसी तरह बस्तर ओलंपिक में भी उत्साहित नजर आ रहे हैं और प्रशासन के सहयोग से चयनित होकर संभाग स्तर में भी अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन देंगे।

नक्सलगढ़ में पूर्व सांसद प्रतिनिधि का तूफानी दौरा, कार्यकर्ताओं से मिलकर योजनाओं की समीक्षा की

बीजापुर 15 नवंबर। शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को सुदूर अंचल के आम गरीबों तक पहुंचाने को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कमर कस ली है। भाजपा नेता पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनिवास रेड्डी अतिसंवेदनशील क्षेत्र के ग्रामों का सघन दौरा किया ।इस दौरान ग्रामीणों ने भापा नेता को अपनी समस्या से अवगत कराया। बुधवार को

भाजपा नेता और पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनिवास रेड्डी ने उसूर ब्लाक के सूदूर अंचल व अतिसंवेदनशील क्षेत्र का तूफानी दौरा किया। जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोशीला स्वागत किया। भाजपा नेता रेड्डी ने बताया,कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना जैसे नल जल, सडक,बिजली की समस्या से लोग आज भी जूझते रहे है ,ग्राम पंचायतों में सरपंच सचिवों पर किसी प्रकार का लगाम नही है। इस पर प्रशासन के अधिकारी गम्भीरता से ले।भाजपा नेता और पूर्व सांसद श्रीनिवास रेड्डी ने बताया,कि पिछले दो दशक के बाद अतिसंवेदनशील क्षेत्र और सूदूर अंचल उसूर ब्लाक के ग्राम उसूर, लिंगागिरी और मुरदंडा के ग्रामीणों के बीच पहुंच कर उनकी समस्या सुनी। श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि केन्द्र की मोदी सरकार गरीबों की सरकार है पीएम योजना के तहत आज सूदूर अंचल के गरीबो को आशियाना मिल रहा है।क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के तहत् मकान बन रहे है।उन्होने बताया,कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने पिछले पांच वर्ष पीएम आवास योजना को बंद रखा था।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में बाल दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

बीजापुर 15 नवम्बर। श्री विजय कुमार होता, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दंतेवाड़ा, के निर्देशानुसार श्री ताजुद्दीन आसिफ, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बीजापुर अध्यक्ष, तालुका विधिक सेवा समिति बीजापुर द्वारा ÷बाल दिवस÷ के अवसर पर 14 नम्बर 2024 को स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी माध्यम विद्यालय बीजापुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

श्री ताजुद्दीन आसिफ द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी माध्यम विद्यालय बीजापुर के छात्र-छात्राओं को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में ÷बाल दिवस÷ मानने के संबंध में संबोधित करते हुये स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी माध्यम विद्यालय के छात्र-छात्राओ को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा से संबंधित अधिकारो से अवगत कराया गया।

श्री ताजुद्दीन आसिफ द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को बढ़ रहे अपराध के संबंध में संदिग्ध आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के प्रति सतर्क रहने एवं बालकों के विरूद्ध लैंगिक संबंधित गंभीर अपराधों से अवगत कराया गया तथा छात्राओ को ÷गुड टच एवं

बैड टच÷ में अंतर को समझना तथा किसी भी प्रताड़ना के संबंध में अपने अध्यापकगण एवं अभिभावकगण को अविलम्ब अवगत करने हेतु प्रोत्साहित किया गया साथ ही सामाजिक कुरूतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया। छात्र-छात्राओं को अपने अध्ययन पर ध्यान केंद्रित कर शिक्षा के माध्यम से उज्जवल भविष्य हेतु पर्यतनरत् रहने एवं उन्हे भविष्य में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मार्ग दर्शन दिया गया। छात्र-छात्राओं को ''बाल दिवस'' के उपलक्ष्य पर कानून के महत्व एवं कानून की सहायता से अपराध मुक्त समाज का निर्माण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

÷बाल दिवस÷ के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर में स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी माध्यम विद्यालय बीजापुर के प्राचार्य श्री प्रभाकर राजा शर्मा, श्रीमती अखतरी खान प्रधानाध्यापिका एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें हैं।

जिला स्तर पर कार्यकर्ता एवं सहायिका हुए सम्मानित

बीजापुर 15 नवंबर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 14 नवम्बर को कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के सम्मान के लिए सम्मान दिवस का आयोजन किया गया, जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट इन्द्रावती सभाकक्ष में आयोजन किया गया है। आंगनबाडी केन्द्र की सेवाओं और उनमें कार्यरत अमलो के योगदान से समाज को अवगत कराया जा सके, आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिका के कार्या व परिणामो को आंगनबाडी सेवाओं के प्रति सकारात्मक माहौल प्रदान करना मुख्य उददेश्य है इस दौरान पंचायत स्तर पर, परियोजना स्तर पर कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया है। जिला स्तर पर आज जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीतिखोखर चखियार द्वारा जिले के 6 परियोजनाओं से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 6 कार्यकर्ता के नाम (1) श्रीमती किटुबाई कोलमुल, बासागुडा-2 (2) श्रीमती हिमानी पाण्डे कोकडापारा बीजापुर (3) श्रीमती कुंती नाग कोडका (4) श्रीमती भुवंती जुर्री पोरोवाया (5) श्रीमती चेरपा शारदा भटटपल्ली (6) श्रीमती शशिकला जी0बी0 गुल्लाबागु एवं 6 सहायिकाओं (1) श्रीमती इरपा सीता कोत्तागुड़ा (2) श्रीमती लालबी बेगम बीजापुर राउतपारा-1 (3) श्रीमती जमनी कंडिक कुटरू (4) श्रीमती जामदेई नाग नेलसनार-1 (5) श्रीमती पार्वती गोटे नरोनापल्ली आवासपल्ली (6) श्रीमती सुशीला यालम मुरदण्डा को प्रशति पत्र व मोमेन्टो से सम्मानित किया गया । इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कार्यकर्ता सहायिकाओं को उनकी कार्या की सराहना करते हुए भविष्य में सत्त रूप में आंगनबाडी केन्द्रों में बच्चो एवं महिलाओं हेतु बेहतर वातावरण रखते हुए शासन की योजनाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करने हेतु कहा जानकारी दिया गया।

छापेमारी से राइस मिलों में हड़कंप

डोंगरगढ़ 15 नवंबर। एसडीएम की छापेमार कार्यवाही से राईस मिलो में हड़कंप मच गया है. बताया जाता है कि धान खरीदी से पहले कुछ मिलरो के द्वारा बाहर का धान संग्रण कर आखरि में समिति प्रबन्धको से सांठगाँठ कर शासन को करोड़ों रु चूना लगाने का खेल प्रतिवर्ष खेला जाता है जिसकी शिकायते मिलते रही है परंतु किसी भी राईस मिलर के विरुद्ध अभी तक कार्यवाही नहीं की गई थी किंतु इस वर्ष सूचना मिलने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल के आदेश पर डोंगरगढ़ एसडीएम मनोज मरकाम के द्वारा खाद्य एवं कृषि उपज मंडी के अधिकारियों कर्मचारियो की टीम गठित कर शहर स्थित अरोरा राईस मिल में छापेमार कार्यवाही की गई. प्राप्त समाचार में बताया गया है कि 14 नवम्बर को अरोरा इंडस्ट्रीज प्रो. बसंत कौर अरोरा पति जनरैल सिंह अरोरा के राईस मिल का स्टॉक पंजी की जांच व भौतिक सत्यापन करने पर मिल परिसर में 05 स्टॉक धान का होना पाया गया एवं मिल के बाहर पोल्ट्री फॉर्म चौथना में 01 स्टॉक धान का होना पाया गया और मिल परिसर में 5798 क्विंटल उसना चावल पाया गया जिसके मिलान के बाद राईस मिल में अनुमानित स्टेकवार में कुल 106000 कट्टा धान पाया गया. जाँच के बाद कुल 37555.80 क्विंटल धान का होना पाया गया. मौके पर उपस्थित स्टॉक रजिस्टर जाँच किया गया जिसमें 37319 क्विंटल पाया गया जो कि मिलान करने पर 236.80 क्विंटल धान अधिक होना पाया गया. अतिरिक्त मिले धान की जप्ती बनाकर मंडी अधिनियम की धारा 23 एवं 19(4) के तहत कार्यवाही प्रतिपादित की गई. कार्यवाही के दौरान एसडीएम मनोज मरकाम, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डुमेंद्र ध्रुव,अतिरिक्त तहसीलदार राजेश नेताम कमल किशोर साहू, खाद्य निरीक्षक सिध्दार्थ मिश्रा एवं कृषि मंडी निरीक्षक ईश्वरी प्रसाद चंद्राकर सहित कर्मचारी उपस्थित थे. छापे की कार्यवाही से कई राईस मिलो में हड़कंप मच गया है।

बच्चों को गलत दृष्टि से घूरना भी लैंगिक अपराध

- भैरमगढ़ के नगरीय क्षेत्र के वार्ड में बाल संरक्षण के विभिन्न मुददों के बारे में लोगों को किया जा रहा है जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 15 नवंबर।कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, श्रीमती प्रीतिखोखर चखियार के मार्गदर्शन में जिले में बाल संरक्षण के विभिन्न विषयों की जानकारी स्कूल, आश्रम, पोटाकेबिन, कॉलेजों एवं पंचायत प्रतिनिधि के बीच किया जा रहा है ताकि बच्चों के संरक्षण संबंधित मुददो/विषयो पर जागरूक हो जावे। इस दौरान विकासखण्ड भैरमगढ़ के सभी वार्डो में भ्रमण कर वार्ड स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, एक युद्ध नशे के विरूद्ध पोषण भी पढ़ाई भी, बाल विवाह मुक्त बीजापुर, सड़क पर रहने वाले बच्चे, अपशिष्ट सग्रांहक, बाल भिक्षावृति से लिप्त बच्चे, बालश्रम में लिप्त बच्चों का चिन्हांकन हेतु सघन अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान सभी होटल, दुकानों, ढाबा, वाहन गैरेजों एवं वार्ड स्तर पर लोगों को पॉक्सो एक्ट मे बच्चों को लैंगिक अपराधों से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये है बच्चों को गलत तरीके से घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना, गलत तरीके से छूना, अपराध है किशोर न्याय अधिनियम में बच्चों को नशे बचाने के लिए प्रावधान दिया गया है यदि कोई बच्चें को नशा कराता है या नशे का सामान बेचता है उसे 1 लाख रूपये जुर्माना व 2 वर्ष का सजा का प्रावधान है। चाईल्ड हेल्पलाईन 1098, महिला

हेल्पलाईन 181 के संबंध में जागरूक किया जा रहा है अभियान के दौरान साइबर क्राईम और एक युद्ध नशे के विद्ध के तहत बच्चो को जागरूक किया जा रहा है बच्चों को बाल विवाह मुक्त बीजापुर बनाने के लिए शपथ भी दिलाया जा रहा है।

बच्चों के विरूद्ध लैंगिक अपराध को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है तथा दण्ड के प्रावधान किये गये है। इस अधिनियम की धारा 13,14,15 के अंतर्गत अशलील साहित्य के प्रयोजनों के लिए बच्चों का उपयोग करना अपराध घोषित करते हुए उसके लिए दण्ड के प्रावधान किया गया है इस अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के प्रति अपराधों को करने के लिए किसी को उकसाना या प्रेरित करना भी दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है इन मामलों मे दोषी को कड़ी सजा दी जाती है ।

इस प्रकार के मामलो में गोपीनियता भी बरती जायेगी अगर कोई लैंगिक अपराध सामना करता है तो उसका नाम व पहचान छुपाई जायेगी। वही दोषी को दोष सिद्ध होने की स्थिति में कड़ी से कड़ी सजा दी जायेगी। प्रचार-प्रसार श्री श्रीमती शीला भारद्वाज जिला महिला संरक्षण अधिकारी, श्री नवीन मिश्रा संस्थागत देखरेख संरक्षण अधिकारी एवं श्री संदीप चिडेम, श्री राजकुमार निषाद सामाजिक कार्यकर्ता, श्री राजेश मडे आउटरीच वर्कर द्वारा जानकारी दी गई है।

सिख व सिंधी समाज ने गुरुनानक प्रकाश पर्व उत्साह से मनाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 15 नवम्बर। सिख समाज के संस्थापक एवं प्रथम गुरु गुरु नानक देव महाराज के 555 वें प्रकाश पर्व को सिमगा के सिख एवं सिंधी समाज द्वारा बड़े उत्साह एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है प्रकाश पर्व को सम्मुख रखते हुए आज सुबह 4:30 बजे से समाज के लोगों ने गुरुद्वारा नानक दरबार से प्रभात फेरी निकाली जो कीर्तन गायन करते हुए जय स्तंभ, फव्वारा चौक, आजाद चौक, अप्पू चौक होते हुए गुरुद्वारा में संपूर्ण हुई उसके पश्चात गुरु घर में शब्द कीर्तन गायन किया गया तदुपरांत नाश्ते का लंगर प्रबंधक कमेटी की ओर से था विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने गुरु पर्व की बधाई देते हुए बतलाया कि गुरु नानक देव ने समाज में फैली अज्ञानता को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाया उन्होंने जीवन भर एकता,

प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया उनके आदर्शों एवं शिक्षाओं के कारण भारत ही नहीं अपितु विदेशों में भी लाखों लोग उन्हें आज भी पूजते हैं उन्होंने आगे बतलाया की गुरु नानक देव ने एक ईश्वर के साथ-साथ हमें सिख धर्म के मूल नाम जपो, कीर्त करो, वंड छको का उपदेश दुनिया के लोगों को दिया उनके प्रकाश पर्व को पूरे विश्व में बड़े उत्साह एवं श्रद्धा से मनाया जाता है वहीं गुरुद्वारा नानक दरबार के प्रधान अमरजीत सिंह भाटिया ने प्रकाश पर्व की समूह साध संगत को बधाई देते हुए बतलाया की पंजाब प्रांत के गोविंद वाल साहब से रागी भाई बलविंदर सिंह वडाली अपने साथियों के साथ गुरु घर में कीर्तन कर संगत को निहाल करेंगे भाटिया ने बतलाया कि आज शाम रहिरास साहिब के पाठ के उपरांत बच्चों के द्वारा कविता पाठ एवं रागी जत्थे द्वारा कीर्तन गायन किया जाएगा वही कल 15 तारीख को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के निमित्त रखे गए पाठ का भोग 11:00 बजे होगा साथ ही कीर्तन, कथा विचार के पश्चात 1:00 बजे पूरी समाप्ति होगी उपरांत गुरु का लंगर अटूट वरतेगा इस प्रकार कल शाम को भी दीवान सजेगा जिसमें कीर्तन एवं गुरु विचार होगी

आज के प्रभात फेरी में अमरजीत सिंह भाटिया, जंग बहादुर, प्रीतपाल सिंह, गुरमीत सिंह, शैली भाटिया, जसमीत सिंह, जसप्रीत सिंह, रिंकू भाटिया, माया सलूजा, कन्हैया पंजवानी, काकू भाटिया, गगन भाटिया, जयदीप सिंह, तरनदीप सिंह, मनीष सलूजा, सोनू पंजवानी, मनोहर पंजवानी, करण भाटिया, राजेश पंजवानी, नवदीप सिंह, किशन आडवाणी, विजय आडवानी, अश्वीर भाटिया, वीर भाटिया, अरजन, श्लोक भाटिया, अबीर भाटिया, तेजिंदर कौर भाटिया, राजिंदर कौर, जिंदर कौर, शिल्पी भाटिया, जसबीर कौर, परमजीत कौर, मनदीप कौर, मिनी भाटिया, राजरानी सलूजा, रविंदर कौर, हरदीप कौर, प्रीत कौर, रीत कौर, बबल भाटिया, सोनल भाटिया, मंजीत मान, अमनप्रीत कौर, डिंपल कौर, रीटा भाटिया, रतन, खुशी भाटिया, अवीराज सिंह, प्रभगुन कौर, अविका भाटिया, असरीत, मनरूप भाटिया आदि बड़ी संख्या में सिख एवं सिंधी समुदाय के लोग उपस्थित थे।

तरेंगा मोड़ के पास दो ट्रकों में टक्कर, पांच लोग घायल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 15 नवम्बर। गुरूवार शाम 5 बजे शहर से डेढ कि.मी.दूर भाटापारा नांदघाट रोड तरेंगा मोड पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रक और मेटाडोर के बीच आपस मे हुए भिडंत से पांच लोग घायल हो गये इस घटना मे सडक पर चल रहे दो मोटर सायकल सवार भी शामिल है बताया जाता है दुर्घटना मे ट्रक चालक के सिर मे गंभीर चोट आयी है। घटना के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार ट्रक और आक्सीजन सिलेंडर से लदी गाडी भाटापारा से नांदघाट की ओर जा रही थी कि इसी बीच एक साथ आगे पीछे चल रहे दोनो वाहन तरेंगा मोड के पहुंचे इसी बीच सिलेंडर वाली मेटाडोर के सामने का टायर फट गया और टायर फटते ही मेटाडोर का चालक वाहन से अपना नियंत्रण खो दिया और सीधे ट्रक से जा टकराया टक्कर इतनी तेज थी की दोनो वाहनो के सामने का और अन्य हिस्सो के परखच्चे उड गये घटना की जानकारी मिलते ही शहर टी.आई.परिवेश तिवारी के निर्देशन मे यातायात विभाग से दिलीप पाण्डेय सहित पुलिस का पूरा अमला घटना स्थल पहुंच गये और घायलो को तत्काल एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार शुरू किया गया वहीं घटना स्थल पर बडी संख्या मे लोग पहुंच गये वहीं वाहनो का जाम भी लग गया जिसे पुलिस ने यातायात को व्यवस्थित कराया वहीं पुलिस मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

एक नजर

ब्लाक कांग्रेस कमेटी भखारा ने स्व.पंडित नेहरू को किया याद

भखारा, 15 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत वर्ष के प्रथम पूर्व प्रधानमंत्री स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिवस पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी भखारा के द्वारा गाँधी प्रतिमा स्थल मे स्व. नेहरू के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर देश के प्रति उनके योगदान को याद किया इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी भखारा अध्यक्ष राजू साहू, पूर्व नप अध्यक्ष भरत नहर, विनोद साहू, प्रभारी महमंत्री होमेंद्र साहू, जप सदस्य परमेश्वरी महेन्द्र साहू, संतोष साहू, डॉ हरदेल, पार्षद संतोषी निषाद, ब्लाक उपध्यक्ष गण रामचंद्र साहू, सोमनाथ साहू टी आर साहू, अनिल निर्मलाकर, पुखराज साहू, रवि माहेश्वरी, रूपेंद्र साहू सहित कांग्रेसजन उपस्थित हुए।

मोहतरा धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी शुरू

पूजा-अर्चना के बाद किसानों को तिलक लगाकर खरीदा गया धान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कसडोल, 15 नवम्बर। छत्तीसगढ़ में आज से धान खरीदी प्रक्रिया की शुरूआत हो रही है। इसी तारतम्य में आज धान उपार्जन केन्द्र कसडोल (मोहतरा) में आज सहकारी समिति मर्यादित कसडोल में मुख्य अतिथि नंदकुमार धीवर व गणेश शंकर साहू जिला कोषाध्यक्ष भाजयुमो के आतिथ्य में विधिवत पूजा अर्चना करके धान खरीदी का उद्घाटन किया गया। अन्नदाता किसान हमारे छत्तीसगढ़ की आत्मा हैं, उनकी मेहनत को पूरा दाम और सम्मान मिले, इसके लिए हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार तत्पर है। हमारी सरकार किसानों से उनके पूरी उपज को खरीदने, खरीदी में पूरी पारदर्शिता बरतने और तय समयसीमा में भुगतान करने पर विशेष ध्यान दे रही है.

बता दें कि इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन और ऑफलाइन टोकन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उक्त कार्यक्रम में नन्द कुमार धीवर, गणेश शंकर साहू जिला कोषाध्यक्ष भाजयुमो, प्रदीप मिश्रा पार्षद नपं कसडोल, रविकांत बंजारे, धनंजय साहू, डी.के.भारद्वाज सहकारिता विस्तार अधिकारी, बी.एल.साहू ब्रांच मैनेजर, आर के शर्मा सुपरवाइजर, विवेक पटेल तहसीलदार कसडोल, ऋषिकेश मिश्रा पटवारी, समिति के कर्मचारीगण और किसान उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं चित्रा खोब्रागड़े पति स्व. राजहरी ओम प्रकाश खोब्रागड़े उम्र 47 वर्ष निवासी ग्राम बधियाटोला, तहसील डोंगरगढ़, जिला- राजनांदगांव छ.ग. की निवासी हूं।

मेरी नाबालिक पुत्री भाविका खोब्रागड़े पिता स्व. राजहरी ओम प्रकाश खोब्रागड़े के जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पूर्व कक्षा के शैक्षणिक अभिलेखों में पिता के नाम के स्थान पर राजहरी ओम प्रकाश खोब्रागड़े दर्ज है।

मेरी पुत्री भाविका खोब्रागड़े के कक्षा 10वीं के अंकसूची में पिता के नाम के स्थान पर आर.पी. खोब्रागड़े दर्ज हो गया है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। जिसे सुधार कर राजहरी ओम प्रकाश खोब्रागड़े पढ़ा एवं समझा जावे।

यह शपथ पत्र मुझे अपने नाबालिक पुत्री भाविका के कक्षा 10वीं के अंकसूची एवं शैक्षणिक अभिलेखों में सुधार हेतु यह नाम परिवर्तन शपथ पत्र की आवश्यकता है।

स्थान - डोंगरगढ़
दिनांक- 14.11.2024

शपथकर्ता
चित्रा खोब्रागड़े

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, राजनांदगांव (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202411092100007
अ/2 वर्ष 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक राजा कन्नौजिया आ. श्याम कन्नौजिया निवासी वार्ड नंबर 14, बुधवारी पारा, डोंगरगढ़, तहसील-डोंगरगढ़, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें लेख किया गया है कि आवेदक द्वारा ग्राम भर्रीटोला, प.ह.नं. 26 स्थित भूमि खसरा नंबर 53/14 का रकबा 0.06 एकड़ 0.024 हे. को पंजीबद्ध बयनामा द्वारा क्रय किया गया है। पटवारी अभिलेख में खसरा नंबर 53/14 रकबा 0.06 एकड़ 0.024 हे. आवेदक के नाम पर भूमि स्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि वर्तमान में रिक्त है उस पर किसी प्रकार का कोई निर्माण कार्य नही किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि खसरा नंबर 53/14 रकबा 0.024 हे. भूमि को निवास प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने बाबत् छ.ग.भू.रा.संहिता की धारा 172 के तहत् निवेदन किया गया है।

अतएव उक्त भूमि के व्यपवर्तन किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 25/11/2024 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते हैं, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 04/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202411092100010
अ/6 वर्ष 2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक राधेश्याम सोनी पिता स्व नन्द कुमार सोनी जाति सोनी उम्र 50 वर्ष निवासी खुटापारा पारा वार्ड नं. 1 डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि आवेदक एवं उसके सहखातेदार 1. कुमारी बाई सोनी 2. कृष्णा सोनी के शामिलात अधिकार एवं स्वामित्व की नजूल शहर पटेल वार्ड नं. 17 डोंगरगढ़ शीट क्रमांक 05 भूखण्ड क्रमांक 1320/6 क्षेत्रफल 132 वर्गफुट भूमि मय दुकान स्थित है उक्त भूमि मय दुकान को पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से आवेदक एवं उसके सहखातेदारों ने क्रय किया गया है। आवेदक के सहखातेदार कुमारी बाई सोनी की मृत्यु दिनांक 23/09/2013 को हो चुकी है तथा सहखातेदार कृष्णा सोनी की मृत्यु दिनांक 23/01/2006 को हो चुकी है। आवेदक के सहखातेदार कुमारी बाई सोनी द्वारा अपने जीवन काल में ही अपने हिस्से की भूमि का वसीयत दिनांक 09/08/2012 को आवेदक के पक्ष में कर दिया था। आवेदक के सहखातेदार कृष्णा सोनी की मृत्यु के बाद उनके वैध वारिसान पत्नी सुनीता सोनी (मृत), पुत्री पूजा सोनी एवं वर्षा सोनी है। सुनिता सोनी ने अपने जीवन काल में अपने हिस्से में प्राप्त होने वाली भूमि को अपने देवर (आवेदक) के पक्ष में दिनांक 09/08/2012 को वसीयतनामा का निष्पादन कर दिया था। आवेदक उक्त भूमि मय दुकान पर से अपने सहखातेदारों के मृत्यु हो जाने के कारण अपना एवं मृतक खातेदारों के वारिसानों का नाम दर्ज करवाना चाहता है नजूल शहर स्थित उपरोक्त भूमि मय दुकान पर से आवेदक के सहखातेदारो 1. कुमारी बाई सोनी 2. कृष्णा सोनी का नाम विलोपित कर, आवेदक एवं कृष्णा सोनी के वारिसान 1. पूजा सोनी 2. वर्षा सोनी का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 06/12/2024 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते हैं, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)
मुहर

सिमगा में धान खरीदी का शुभारंभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 15 नवम्बर। यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी एवं माटी पुत्र छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरुप विपणन सहकारी समिति सिमगा में आज से 3, 100रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से 21, क्विंटल धान की खरीदी किसानों के माथे पर तिलक लगाकर तथा धान तौलाई की शुरुआत कर प्रारंभ किया गया, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के मंडल महामंत्री छोटू यादव ने कहा कि उन्हें अन्न दाताओं के धान खरीदी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, यदि किसी भी किसान को धान खरीदी में कोई समस्या होती है तो मैं उसके समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा, इसके लिए मैं समिति प्रबंधन एवं बैंक अधिकारी कर्मचारीयों का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं, उक्त कार्यक्रम को नीरज शर्मा ने भी संबोधित किया। उक्त कार्यक्रम में छोटू यादव, सचिन जैन, परस पाटकर, नीरज शर्मा, राजेश सिंह, जिला सहकारी बैंक सिमगा के शाखा प्रबंधक जे, आर, लहरी, समिति प्रबंधनक मंजू लता शर्मा आरएन साहू एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ.प्रकाश ने लैब का जीर्णोध्दार कर गुरुजनों का सम्मान किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 15 नवम्बर। सूरत गुजरात के प्रसिद्ध लिवर रोग विशेषज्ञ और सीनियर क्लीनिकल रिसर्च साईंटिस्ट डॉक्टर प्रकाश टहिलियानी ने अपने पैतृक गांव में स्थित बी एन बी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवरा की संस्था में 1973 में विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

आज उन्होंने इस संस्था को जीव विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष और जीव विज्ञान कक्ष का 101000 रुपए से जीर्णोद्वार कर अपने गुरुजनों विमल कुमार गिडीयन और एम एल सोनार, साथ ही अपने सहपाठियों डॉक्टर हरीश विरानी, राज कपूर कश्यप, बसंत हरि रामानी, खिलेश्वर धुरंधर, लीलाराम जेठवानी, कुंजलाल साहू नेभनदास बचवानी और कृष्ण मुरारी वर्मा की उपस्थिति में विद्यार्थियों को सौंपा।इस अवसर पर उन के द्वारा अपने गुरुजनों का शाल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। साथ ही अनिल अग्रवाल, विकास सुखवानी उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा, जन भागीदारी एवं विकास समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, सौरभ जैन, डॉक्टर खुमान वर्मा, डॉक्टर लक्ष्मण साहू, अमित अग्रवाल आनंद शर्मा, दिलहरण निषाद, ईश्वर यदु द्वारा डॉक्टर प्रकाश टहिलियानी को शाल, प्रतीक चिन्ह, अभिनंदन पत्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान मॉडल, फैंसी ड्रेस में बने नन्हे मुन्ने बच्चे वैज्ञानिक बनकर आर्यभट्ट, वारामिहीर, महर्षि कणाद, चरक, चंद्रशेखर वेंकटरमन, विक्रम साराभाई, एपीजे अब्दुल कलाम आदि बने। कबाड़ से जुगाड़ की प्रदर्शनी भी लगाई गई। उक्त कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एल के जाहिरे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक संतोष शर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने उक्त प्रदर्शनी की मुक्त कंठ से सराहना की और कहा कि इस तरह बच्चों में वैज्ञानिक सोच कुछ नया करने का आत्मविश्वास आएगा और उनकी सोच को नई दिशा मिलेगी। जिससे वे अपनी सोच को नयी गति प्रदान करेंगे। अनिल अग्रवाल ने उक्त कार्यक्रम हेतु डॉक्टर प्रकाश टहिलियानी की दानशीलता और उनके सोच की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के समय में डॉक्टर प्रकाश के जैसे लोगों का मिलना बहुत ही मुश्किल है जिन्होंने अपने सहपाठियों और गुरुजनों सबको एक साथ मंच पर लाकर अपनी पूर्व संस्था के कमरों का जीर्णोद्धार कर विकास कार्य में अहम भूमिका निभाई।

राम भाई शर्मा, सौरभ जैन, विकास सुखवानी, दीपक चौइथवानी, डॉक्टर खुमान वर्मा, गौरव अग्रवाल, डॉक्टर लक्ष्मण साहू, विजय ठाकुर ने विद्यालय की छात्र-छात्राओं को स्पोर्ट किट भी वितरित किया। जिसकी अनिल अग्रवाल और उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों ने मुक्त कंठ से सराहना की और उन्हें विद्यालय के विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए उनको धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय के शिक्षकों विनोद वर्मा, अंश टंडन, जितेंद्र कुमार जेहोआश, खूबचंद कश्यप, सुषमा दुबे, सविता वर्मा, कुसुम नाग तक्षशिला खाखा ने जन भागीदारी एवं विकास समिति के समस्त सदस्यों का स्मृति चिन्ह, पुस्तक देकर सम्मान किया। इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद एवं जन भागीदारी समिति कोहका महाविद्यालय की अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, अनीता सक्सेना, किरण वर्मा, टहिलियानी, विरानी उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉक्टर एम एल सोनार ने विद्यार्थियों को डॉक्टर प्रकाश से प्रेरणा लेकर उनके जैसा महान कार्य करने का मार्गदर्शन दिया साथ ही सिकल सेल एनीमिया के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया। विमल कुमार गिडियन ने डॉ प्रकाश की तुलना दीपक से की। उन्होंने कहा कि वे स्वयं मेहनत कर पूरे चिकित्सा जगत और शिक्षा जगत को आलोकित कर रहे हैं। डॉ प्रकाश ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने गुरुजनों व घोष मैडम, सोनार सर को दिया। आज 40 वर्षों बाद अपने सहपाठियों के साथ विद्यालय आकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संगीता रानी जेहोआश, शारदा वर्मा, अर्चना शेंदे, सरिता सेन, अंश टंडन, विनोद वर्मा, किरण साहू, अल्का मिश्रा, कुसुम नाग के मार्गदर्शन में विज्ञान मॉडल और कबाड़ से जुगाड़ की प्रदर्शनी भी लगाई थी।

एक छात्रा ने विमल कुमार गीडियन को उनका स्केच बनाकर भेंट किया। कार्यक्रम का सफल संचालन जेहोआश, सुमन नेताम कांति बडा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिकाओं सुषमा दुबे, सुरेश सेन, तु केंद्र वर्मा, नरेंद्र रात्रे, भगवानसिंह नेताम, निलेश कटारिया, मुकेश सेन, लक्ष्मी वर्मा, सविता वर्मा का रहा साथ ही निधि शर्मा, आशीष वर्मा, लोकेश नायक, लोकेश ठाकुर ने संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था की। कार्यक्रम में अभिनंदन पत्र का वाचन और स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ राजेश चंदानी ने किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से अमित अग्रवाल, आनंद शर्मा, मनोज निषाद, बेबी गोस्वामी, दिलहरण निषाद, सौरभ जैन का योगदान रहा।आभार प्रदर्शन जेहोआश ने किया।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

नामांतरण प्रकाशन सूचना, सूची माह- नवम्बर 2024

क्रमांक/1223/रा.वि./मु.न.अ./2024 **भाटापारा, दिनांक-05/11/2024**

छ.ग. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत नामांतरण किये जाने हेतु निम्नलिखित 15 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पी.आई.सी. की बैठक दिनांक..... के विषय क्र. ..... के अनुसार नामांतरण सूचना दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन के तहत अगर कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना चाहे तो प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। तिथि उपरांत दावा आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

क्र.	विक्रेता	क्रेता	वार्ड	खसरा नं.	आधार
1	2	3	4	5	6
1	1. श्रीमती शेफाली चटर्जी पति अमल कुमार चटर्जी 2. संजय चटर्जी पिता अमल कुमार चटर्जी निवासी नेहरू वार्ड, भाटापारा	श्री प्रकाश सोनी पिता स्व. श्री भगवानदास सोनी निवासी संजय वार्ड, भाटापारा	बलभद्र वार्ड	मौजा अवरेठी प.ह.नं. 10 खसरा नं. 251/5 क्षेत्रफल 861.11 वर्गफुट पक्का दुकान एवं मकान	विक्रय विलेख
2	ज्वाला प्रसाद तिवारी पिता हरिप्रसाद तिवारी निवासी नेहरू वार्ड, भाटापारा	प्रांजल तिवारी वगैरह पिता स्व. संजय तिवारी निवासी नेहरू वार्ड, भाटापारा	नेहरू वार्ड	मौजा अवरेठी प.ह.नं. 10 शीट क्र. 6 भूखण्ड क्रमांक 18/2 क्षेत्रफल 1429 वर्गफुट पक्का मकान	वंशानुक्रम न्याया. आदेश मृत्यु प्रमाण पत्र बी 1
3	श्री मनीष किंगरानी पिता श्री सुदामचंद किंगरानी निवासी संतकंवरराम वार्ड, भाटापारा	1. किरण सोनी, 2. रानू सोनी पिता श्री सनत कुमार सोनी निवासी सुभाष वार्ड, भाटापारा	सुभाष वार्ड	मौजा हथनी प.ह.नं. 40 खसरा नं. 849/57 का टु. क्षेत्रफल 0.0672 हे. में से 750 वर्गफुट आवासीय खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
4	श्रीमती सावित्री साहू पति श्री राधेश्याम साहू निवासी महावीर वार्ड, भाटापारा	श्री याशु साहू पिता श्री प्रीतम साहू निवासी ग्राम हिरमी, सिमगा	महावीर वार्ड	मौजा भाटापारा प.ह.नं. 11 शीट क्र. 2 डी भूखण्ड क्र. 231 क्षेत्रफल 775 वर्गफुट आवासीय पक्का मकान भूखण्ड	विक्रय विलेख
5	बोधनदास पिता कार्तिकराम बंजारे निवासी महासती वार्ड, भाटापारा	सनतकुमार पिता कार्तिकराम बंजारे निवासी महासती वार्ड, भाटापारा	शक्ति वार्ड	मौजा अवरेठी प.ह.नं. 10 भूखण्ड क्र. 18/7 क्षेत्रफल 594 वर्गफुट आवासीय परिवर्तित मकान	बटवारानामा विलेख
6	रामचरण ध्रुव पिता बंजुराम ध्रुव निवासी संतमाताकर्मा वार्ड, भाटापारा	पोषण ध्रुव वगै. पिता श्री रामचरण ध्रुव निवासी गुरूनानक वार्ड, भाटापारा	गुरूनानक वार्ड	मौजा अवरेठी प.ह.नं. 10 खसरा नं. 10/88 का टु. 11/95, 136/94 क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट पक्का मकान	वंशानुक्रम, न्याया. आदेश मृत्यु प्रमाण पत्र, बी 1
7	श्री गौरीशंकर देवांगन पिता श्री गिरीश कुमार देवांगन निवासी बंजारी नगर, रायपुर	जुनैद रजा खत्री पिता हाजी समसुद्दीन निवासी सदर वार्ड, भाटापारा	के.के. वार्ड	मौजा हथनी प.ह.न. 40 खसरा नं. 15002/32 क्षेत्रफ 1235 वर्गफुट खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
8	1. श्री नारायणदास 2. श्री रेवाचंद 3. श्री टेकचंद पिता मोहन सिंह पाप्यानी निवासी लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, भाटापारा	1. श्रीमती दीक्षा पारप्यानी पति श्री नीलेश पारप्यानी 2. श्री दीपांशु पारप्यानी पिता श्री शंकर लाल पारप्यानी निवसी लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, भाटापारा	लाल बहादुर शास्त्री वार्ड	मौजा हथनी प.ह.नं. 39 खसरा नं. 418/5 का टु. क्षेत्रफल 0.2790 हे. में से 1400 वर्गफुट आवासीय खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
9	श्री राधेश्याम आर्य पिता स्व. श्री गोविंदराम आर्य निवासी संतकंवरराम वार्ड, भाटापारा	श्रीमती राजकुमारी थारानी पति श्री लक्ष्मणदास थारानी निवासी मुंशी ईस्माईल वार्ड, भाटापारा	लाल बहादुर शास्त्री वार्ड	मौजा भाटापारा प.ह.नं. 11 खसरा नं. 168/164 का टु. क्षेत्रफल 0.1110 हे. मे से 3000 वर्गफुट खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
10	श्री मनीष किंगरानी, पिता श्री सुदामचंद किंगरानी निवासी संतकंवरराम वार्ड, भाटापारा	श्रीमती सुनीता सोनी पति श्री संतोष कुमार सोनी निवासी के.के. वार्ड, भाटापारा	सुभाष वार्ड	मौजा हथनी प.ह.नं. 40 खसरा नं. 849/57 का टु. क्षेत्रफल 0.0672 हे. में से 750 वर्गफुट आवासीय खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
11	श्री झालाराम वर्मा पिता श्री महेशराम वर्मा निवासी ग्राम सिनोधा, सुहेला, सिमगा	श्रीमती सविता सोनी पति श्री दिनेश सोनी निवासी सुभाष वार्ड, भाटापारा	सुभाष वार्ड	मौजा हथनी प.ह.नं. 40 खसरा नं. 846/86 क्षेत्रफल 0.0061 हे. 60.03 वर्गमीटर आवासीय खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
12	श्री मनोहर लाल आर्य पिता श्री परमानंद आर्य निवासी स्टेशन वार्ड, भाटापारा	श्री नरेश कुमार मंधानी पिता स्व. श्री अमर लाल मंधानी निवासी सदर बाजार भाटापारा	सदर वार्ड	मौजा भाटापारा प.ह.नं. 11 शीट नं. 12 डी भूखण्ड क्र. 36/4 क्षेत्रफल 591.16 वर्गफुट आवासीय खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
13	श्री विजय कुमार तलरेजा पिता स्व. श्री राधामल निवासी संतकंवरराम वार्ड, भाटापारा	श्री अनिल कुमार छाबड़ा पिता स्व. श्री अमरनाथ छाबड़ा निवासी सदर वार्ड भाटापारा	सदर वार्ड	मौजा भाटापारा प.ह.नं. 11 शीट नं. 12 सी प्लाट नं. 121/2 क्षेत्रफल 260 वर्गमीटर में से 73 वर्गमीटर खुला भूखण्ड	विक्रय विलेख
14	श्री रामलाल गुप्ता पिता श्री शंकर लाल गुप्ता निवासी कृष्णा सिटी, भाटापारा	श्री गोविंद सिंह हरबंश पिता श्री गोफेलाल हरबंश, निवासी हाउस एन 04, थाना आवास गृह धरसीवां, रायपुर	परशुराम वार्ड	मौजा हथनी प.ह.नं. 40 खसरा नं. 94/61 क्षेत्रफल 1293 व.फु. आवासीय पक्का मकान	विक्रय विलेख
15	1. जय किशन शर्मा पिता रामदयाल शर्मा 2. अश्वनी शर्मा पिता जय किशन शर्मा 3. संदीप गोयल पिता गोपाल गोयल निवासी सुभाष वार्ड, भाटापारा	श्री कमलजीत कौर छाबड़ा पति अनिल कुमार छाबड़ा निवासी सदर वार्ड भाटापारा	सदर वार्ड	मौजा भाटापारा प.ह.नं. 11 शीट नं. 11 सी भूखण्ड क्र. 151/1, 152 क्षेत्रफल 835 वर्गफुट व्यवसायिक दुकान	विक्रय विलेख

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद भाटापारा

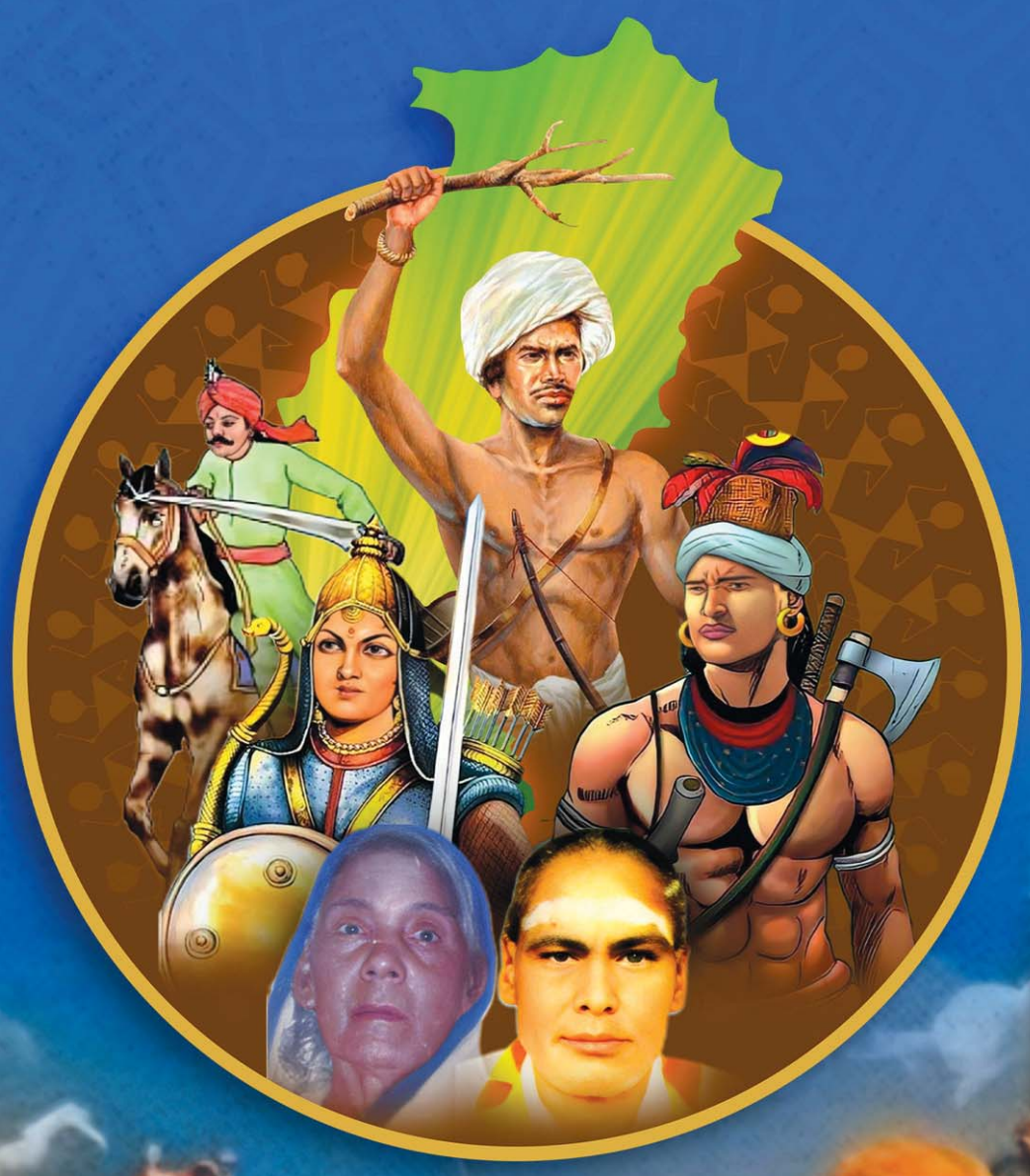

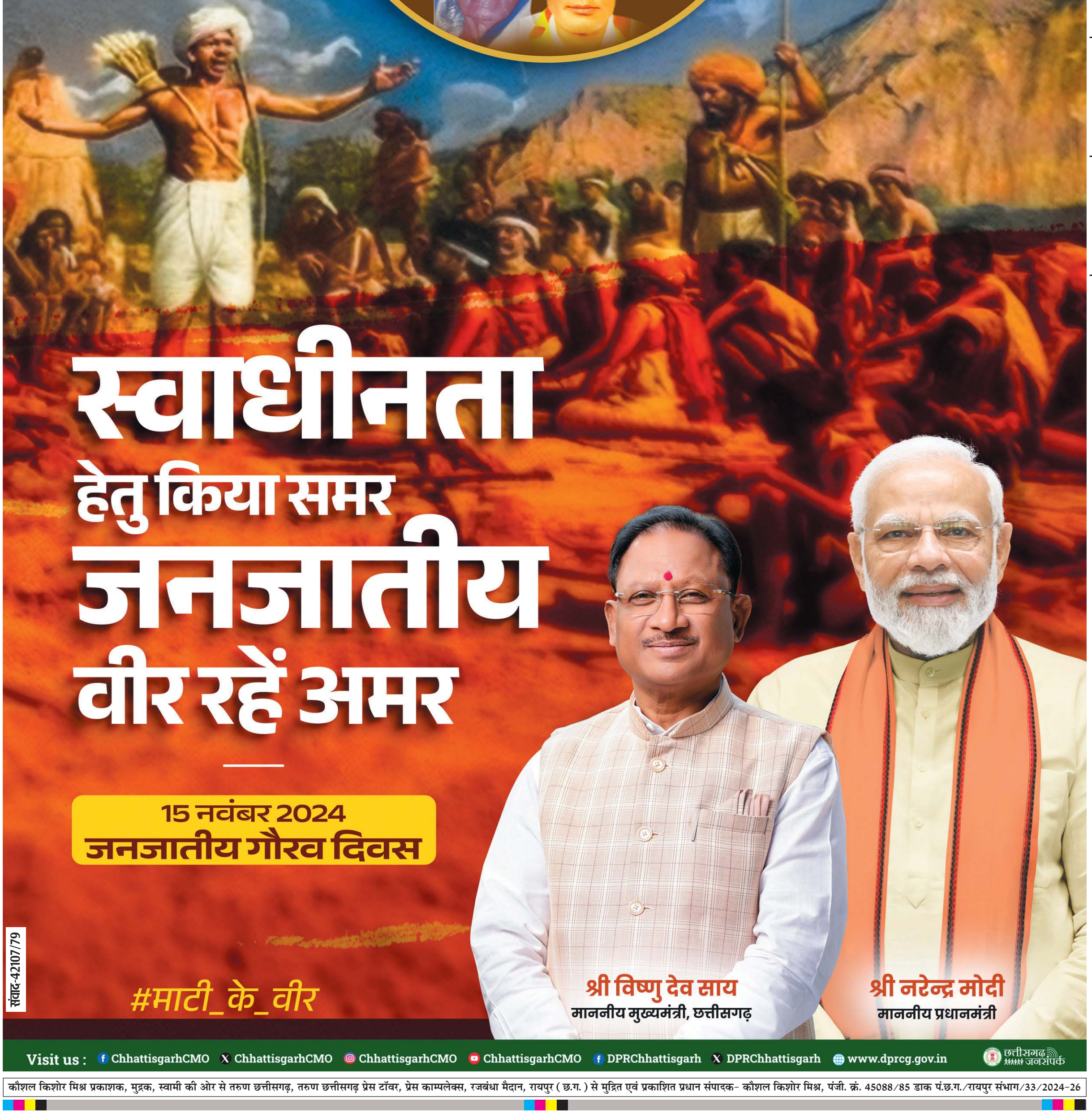

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26